हिन्दी साप्ताहिक

भारत समाचार निविदा लाईन पत्र

क्राइम की हर खबर....

पूजा हेगड़े की आगामी जबरदस्त फिल्में...

वर्ष : 18 | अंक:29 | नई दिल्ली 25 अप्रैल से 01 मई 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 02 रुपए

एक नजर

राजनाथ ने अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ से बात की

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बात की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। समझा जाता है कि फोन पर हुई बातचीत के दौरान पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र भी हुआ। सिंह-हेगसेथ के बीच फोन पर हुई बातचीत के कुछ विवरण जल्द ही आधिकारिक रूप से जारी किए जाने की संभावना है।

लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने सेना की उत्तरी कमान का प्रभार संभाला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना में समृद्ध परिचालन अनुभव रखने वाले सम्मानित अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने बृहस्पतिवार को उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को ही मेजर जनरल लिसम्मा पीवी ने नई दिल्ली स्थित सैन्य नर्सिंग सेवा (एमएनएस) की अतिरिक्त महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिन्द्र कुमार का स्थान लिया, जो 30 अप्रैल को सेवानिव

लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला (पुणे), भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून और रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन के पूर्व छात्र हैं। उन्हें दिसंबर 1987 में मद्रास रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त हुआ था। बयान के मुताबिक, लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा को स्टाफ और अनुदेशात्मक नियुक्तियों में विविध अनुभव है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र मिशन में स्टाफ अधिकारी का पद भी शामिल है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक लिसम्मा पीवी मेजर जनरल शीना पी.डी. का स्थान लेंगी, जो चार दशक तक सेवा देने के बाद 30 अप्रैल को सेवानिव

पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा गिरिजा व्यास का निधन

उदयपुर, एजेंसी। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं कांग्रेस की वरिष्ठ नेता डा गिरिजा व्यास का गुरुवार को निधन हो गया। वह करीब 79 वर्ष की थी। उन्होंने गुजरात में अहमदाबाद के एक अस्पताल में शाम को अंतिम सांस ली। उल्लेखनीय है कि डा व्यास पिछले दिनों गणगौर पर अपने घर में पूजा कर रही थी कि दीपक से उनके कपड़ों में अचानक आग लग गई जिससे वह गंभीर रुप से झुलस गई। उन्हें इलाज के लिए अहमदाबाद ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा था।

डा. व्यास पच्चीस वर्ष की आयु में राजस्थान विधानसभा की सदस्य बनी और उन्हें कई मंत्रालयों का दायित्व सम्भालने का मौका मिला। वह चार बार सांसद चुनी गई और नरसिम्हा राव सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और मनमोहन सिंह की सरकार में केन्द्रीय शहरी आवास एवं गरीबी उन्मूलन मंत्रालय की ज़िम्मेदारी निभाई। वह राष्ट्रीय महिला आयोग की दो कार्यकाल तक राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर रही है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद भी संभाला और लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक पद एवं एआईसीसी मीडिया प्रभारी भी रही है।

उनके निधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गहरा शोक जताया और कहा कि उनके निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उन्होंने कहा डा व्यास का जीवन जनसेवा के लिए समर्पित रहा। वह अपने मृदु व्यवहार के कारण एक लोकप्रिय नेता के रूप में सदैव याद की जायेगी। उनका निधन प्रदेश की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है।

मोदी ने वेव्स शिखर सम्मेलन का किया उद्घाटन

संस्कृति, रचनात्मकता, सार्वभौमिक कनेक्टिविटी की एकीकृत पहल है वेव्स : मोदी प्रधानमंत्री

- प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र दिवस और गुजरात राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सभी को बधाई दी

मुंबई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले विश्व श्रव्य-दृश्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 का आज यहां उद्घाटन किया और कहा कि यह पहल संस्कृति, रचनात्मकता और सार्वभौमिक कनेक्टिविटी का प्रतिनिधित्व करने वाली एक ऐसी लहर है जो वैश्विक रचना जगत के ऐसे दूरदर्शी व्यक्तियों को एक साथ लाकर उनकी कला के माध्यम से पीढ़ियों को प्रेरित और प्रभावित करेगी।

श्री मोदी ने यहां जियो वर्ल्ड सेंटर में इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने महाराष्ट्र दिवस और गुजरात राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सभी को बधाई दी। रचनात्मक उद्योग के सभी अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों, राजदूतों और नेताओं की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला और जोर दिया कि 100 से अधिक देशों के कलाकार, नवप्रवर्तनक, निवेशक और नीति निर्माता प्रतिभा और रचनात्मकता के वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखने के लिए एक साथ आए हैं। उन्होंने कहा, 'वेव्स केवल एक संक्षिप्त नाम नहीं है, बल्कि संस्कृति, रचनात्मकता और सार्वभौमिक कनेक्टिविटी का प्रतिनिधित्व करने वाली लहर है। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन फिल्मों, संगीत, गेमिंग, एनीमेशन और कथा कहानी कहने की विशाल दुनिया को प्रदर्शित करता है, कलाकारों और रचनाकारों को कनेक्ट करने और सहयोग करने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है।

वेव्स शिखर सम्मेलन में भारत के समृद्ध सिनेमाई इतिहास का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि 3 मई, 1913 को, भारत की पहली फीचर फिल्म, राजा हरिश्चंद्र, अग्रणी फिल्म निमार्ता दादासाहेब फाल्के द्वारा निर्देशित, जारी की गई थी। उन्होंने याद किया कि फाल्के की जयंती सिर्फ एक दिन पहले मनाई गई थी। उन्होंने पिछली शताब्दी में भारतीय सिनेमा के प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि इसने भारत के सांस्कृतिक सार को दुनिया के हर कोने में सफलतापूर्वक ले लिया है। उन्होंने रूस में राज कपूर की लोकप्रियता, कान में सत्यजीत रे की वैश्विक मान्यता और आरआरआर की ऑस्कर विजेता सफलता पर प्रकाश डाला, इस बात पर जोर दिया कि भारतीय फिल्म निमार्ता वैश्विक कथाओं को कैसे आकार देना जारी रखते हैं। उन्होंने गुरु दत्त की सिनेमाई कविता, ए. आर. रहमान की संगीत प्रतिभा रितविक घटक के सामाजिक प्रतिबिंब और एस. एस. राजामौली की महाकाव्य कहानी को भी स्वीकार किया, जिसमें कहा गया कि इनमें से प्रत्येक कलाकार ने दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए भारतीय संस्कृति को जीवंत किया है। श्री मोदी ने यह भी टिप्पणी की कि भारतीय सिनेमा के दिग्गजों को स्मारक डाक टिकटों के माध्यम से सम्मानित किया गया, जो उद्योग में उनके योगदान को श्रद्धांजलि देते हैं।

भारत की रचनात्मक क्षमता और वैश्विक सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्षों से, उन्होंने गेमिंग, संगीत, फिल्म निर्माण और अभिनय के पेशेवरों के साथ काम किया है, उन विचारों और अंतर्दृष्टि पर चर्चा की है जिन्होंने रचनात्मक उद्योगों की उनकी समझ को गहरा किया है। उन्होंने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के दौरान की गई एक अनूठी पहल पर प्रकाश डाला, जहां 150 देशों के गायक लगभग 500-600 साल पहले नरसिंह मेहता द्वारा लिखे गए भजन 'वैष्णव जन तो' करने के लिए एक साथ आए थे। उन्होंने कहा कि इस वैश्विक कलात्मक प्रयास ने एक महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा किया, जिससे दुनिया को सद्भाव में एक साथ लाया गया। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन में उपस्थित कई व्यक्तियों ने गांधी के दर्शन को आगे बढ़ाते हुए लघु वीडियो संदेश बनाकर 'गांधी वन फिफ्टी इनीशिएटिव' में योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ मिलकर भारत की रचनात्मक दुनिया की सामूहिक ताकत ने पहले ही अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है, और यह दृष्टि अब वेव्स के रूप में साकार हो गई है।

श्री मोदी ने वेव्स शिखर सम्मेलन के पहले संस्करण की शानदार सफलता की प्रशंसा करते हुए कहा कि अपने पहले क्षण से ही, इस कार्यक्रम ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है और "उद्देश्य के साथ गर्जन" है। उन्होंने शिखर सम्मेलन के सलाहकार बोर्ड के समर्पण और प्रयासों को स्वीकार किया, जिसमें वेव्स को रचनात्मक उद्योग में एक ऐतिहासिक घटना बनाने में उनकी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने बड़े पैमाने पर क्रिएटर्स चैलेंज और क्रिएटोस्फीयर पहल पर प्रकाश डाला, जिसमें 60 देशों में लगभग 100,000 रचनात्मक पेशेवरों की भागीदारी देखी गई। उन्होंने कहा कि 32 चुनौतियों में से 800 फाइनलिस्टों का चयन किया गया है, उनकी प्रतिभा को पहचाना गया है और उनकी उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी गई है। उन्होंने फाइनलिस्टों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अब उनके पास वैश्विक रचनात्मक मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर है।

प्रधानमंत्री ने वेवेस शिखर सम्मेलन के दौरान भारत मंडप में प्रदर्शित रचनात्मक विकास के लिए उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने टिप्पणी की कि महत्वपूर्ण नवाचार हासिल किया गया है और वह इन रचनाओं को पहली बार देखने के लिए तत्पर हैं। प्रधानमंत्री ने नए रचनाकारों को प्रोत्साहित करने और उन्हें उभरते बाजारों से जोड़ने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए वेव्स बाजार पहल पर प्रकाश डाला। उन्होंने कला उद्योग में खरीदारों और विक्रेताओं को जोड़ने की अवधारणा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की पहल रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करती है और कलाकारों के लिए नए अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने रचनात्मकता और मानव अनुभव के बीच गहरे संबंध का उदाहरण देते हुए कहा कि एक बच्चे की यात्रा एक माँ की लोरी से शुरू होती है जो ध्वनि और संगीत के लिए उनका पहला परिचय होती है।

भारत और पाकिस्तान के बीच अटारी-वाघा सीमा पूरी तरह बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर केंद्र सरकार द्वारा अल्पकालिक वीजा वाले सभी पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने का आदेश दिए जाने के बाद दोनों देशों के बीच अटारी-वाघा सीमा पारगमन स्थल को बृहस्पतिवार को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इसे सीमा पार करने के लिए एक सप्ताह तक चली लोगों की भारी आवाजाही के बाद बंद किया गया है। दो सूत्रों ने पुष्टि की है कि अटारी-वाघा सीमा पारगमन स्थल अब पूरी तरह से बंद कर दिया गया है तथा बृहस्पतिवार को दोनों देशों से कोई भी व्यक्ति सीमा पार कर दूसरे देश में नहीं गया।

बुधवार को अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से कुल 125 पाकिस्तानी नागरिक भारत से वापस पाकिस्तान चले गए, जिससे पिछले सात दिनों में देश छोड़ने वाले पाकिस्तानियों की कुल संख्या 911 हो गई। बुधवार को पाकिस्तानी वीजा वाले 15 भारतीय नागरिक भी पाकिस्तान चले गए, जिससे ऐसे लोगों की कुल संख्या 23 हो गई। इसी प्रकार दीर्घकालिक भारतीय वीजा वाले 152 भारतीय नागरिक और 73 पाकिस्तानी नागरिक पंजाब के अमृतसर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके भारत में प्रवेश कर चुके हैं, जिससे ऐसे लोगों की कुल संख्या क्रमशः 1,617 और 224 हो गई है।

केंद्र ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों (जिनमें अधिकतर पर्यटक थे) की हत्या के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को 'भारत छोड़ने' का आदेश दिया था।

एयर मार्शल दीक्षित ने एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख का पदभार ग्रहण किया

नई दिल्ली, एजेंसी। वायु सेना के वरिष्ठ फाइटर पायलट एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने आज गुरुवार को चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (सीआईएससी) का पदभार संभाल लिया है। कार्यभार ग्रहण के अवसर पर उन्हें दिल्ली के साउथ ब्लॉक लॉन्स में त्रि-सेवा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। सीआईएससी बनने से पहले एयर मार्शल दीक्षित मध्य वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ थे, जहां उन्होंने उत्तर भारत और मध्य क्षेत्र में परिचालन तैयारियों को सशक्त बनाने और अन्य सेनाओं के साथ तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायु सेना के फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त किया था।

लगभग 40 वर्षों के अपने शानदार करियर में दीक्षित ने अनेक कमांड, स्टाफ और प्रशिक्षण से जुड़े प्रमुख पदों पर कार्य किया। वे नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए), डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (बांग्लादेश), और नेशनल डिफेंस कॉलेज (नई दिल्ली) के पूर्व छात्र हैं। वे एक क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट भी हैं, जिनके पास 3,300 से अधिक उड़ान घंटे हैं और उन्होंने 20 से ज्यादा प्रकार के विमानों जैसे मिराज-2000, मिग-21 और जगुआर पर उड़ान भरी है।

उन्होंने एक फ्रंटलाइन मिराज-2000 स्क्वाड्रन की कमान संभाली और नए विमान दो बैचों में फ्रांस से भारत लाने और उन्हें ऑपरेशनल करने का नेतृत्व किया। उन्होंने दक्षिणी क्षेत्र के एक प्रमुख फाइटर ट्रेनिंग बेस की कमान भी संभाली, जिसे उनके नेतृत्व में कमान का सर्वश्रेष्ठ बेस घोषित किया गया। बैंगलोर स्थित एअरक्राफ्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट (एएसटीई) में वे टेस्ट पायलट और फ्लाइट टेस्ट स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर रहे। यहां उन्होंने जगुआर और मिग-27 जैसे विमानों के एवियोनिक्स अपग्रेड जैसे कई स्वदेशी विकास कार्यों में भागीदारी की।

वायु मुख्यालय में उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों जैसे प्रिंसिपल डायरेक्टर एयर स्टाफ रिक्वायरमेंट्स, असिस्टेंट चीफ ऑफ एयर स्टाफ (प्रोजेक्ट्स) और (प्लान्स) पर कार्य किया। एयर स्टाफ रिक्वायरमेंट्स के निदेशक रहते हुए उन्होंने मीडियम मल्टी-रोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एमएमआरसीए) ट्रायल्स की योजना और निष्पादन में प्रमुख भूमिका निभाई, जिसे उनकी निष्पक्षता और पेशेवर दृष्टिकोण के लिए सराहा गया।

वहीं उप वायु सेना प्रमुख के रूप में आशुतोष दीक्षित ने भारतीय वायु सेना के आधुनिकीकरण और क्षमता निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई। 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन के तहत उन्होंने इमरजेंसी प्रोक्योरमेंट प्रक्रियाओं के जरिये स्वदेशी प्लेटफॉर्म्स और प्रणालियों की तेजी से खरीद सुनिश्चित की और दीर्घकालिक योजना को मजबूत किया। उन्हें 2006 में मिराज-2000 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर के रूप में उल्लेखनीय योगदान के लिए वायु सेना मेडल, 2011 में टटफ्छअ ट्रायल्स के नेतृत्व के लिए विशिष्ट सेवा मेडल और राष्ट्रपति द्वारा उत्कृष्ट सेवा के लिए अति विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया।

पहलगाम में मारे गये लोगों की मौत का चुन चुनकर जवाब दिया जायेगा: शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोदी सरकार की आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने की नीति को दोहराते हुए कहा है कि पहलगाम आतंकवादी घटना में मारे गये लोगों की मौत के लिए ज़िम्मेदार हर व्यक्ति को चुन-चुनकर जवाब दिया जाएगा।

श्री शाह ने गुरूवार को यहां बोडोफा उपेन्द्रनाथ ब्रह्म को श्रद्धांजलि के रूप में रोड और रोटरी का नामकरण तथा प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि पूरा जीवन अपनी जाति और क्षेत्र के लिए सम्मान और अधिकार की लड़ाई लड़ने वाले बोडोफा उपेन्द्रनाथ ब्रह्म की आज 35वीं पुण्यतिथि है। उन्हे श्रद्धांजलि देने के लिए आज उनकी आदमकद प्रतिमा और राजधानी दिल्ली के महत्वपूर्ण मार्ग का नाम बोडोफा उपेन्द्रनाथ ब्रह्म मार्ग रखा गया है। उन्होंने कहा कि बोडोफा उपेन्द्रनाथ ब्रह्म की प्रतिमा सिर्फ बोडोलैंड ही नहीं बल्कि अपनी भाषा और धर्म के विकास के लिए संघर्ष करने वाले देश के सभी लोगों का सम्मान है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में बोडोफा की प्रतिमा

देशभर के जनजातीय समाज के आत्मसम्मान का प्रतीक है।

गृह मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की भेंट चढ़ने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हमले में जान गँवाने वाले लोगों के परिजनों से कहा कि यह केवल उनकी क्षति नहीं है बल्कि पूरे देश की क्षति है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के प्राणों की क्षति का जितना दर्द उनके परिजनों के दिल में है उतना ही देश के हर नागरिक के दिल में है। उन्होंने कहा कि 90 के दशक से कश्मीर में आतंकवाद में लिप्त लोगों के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति है और हम मजबूती के साथ अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं।

गृह मंत्री ने कहा, ह्ल आतंकवादी यह न समझ लें कि आज हमारे नागरिकों की जान लेकर वे यह लड़ाई जीत गए हैं। यह लड़ाई का अंत नहीं है, बल्कि मुकाम है, आतंकवाद के लिए ज़िम्मेदार हर व्यक्ति को चुन-चुनकर जवाब दिया भी जाएगा और उससे जवाब लिया भी जाएगा।

श्री शाह ने कहा कि चाहे उत्तरपूर्व हो, वामपंथी उग्रवाद हो या फिर कश्मीर में आतंकवाद हो, इन सबका मजबूती से जवाब दिया गया है। उन्होंने कहा कि कायराना हमला करके कोई अगर यह समझता है कि उनकी जीत हो गई है तो उन्हें यह जान लेना चाहिए कि यह मोदी सरकार है जो किसी को बख्शेगी नहीं।

गृह मंत्री ने कहा कि भारत की भूमि से आतंकवाद को समूल उखाड़ फेंकने का मोदी सरकार का संकल्प सिद्ध होकर रहेगा। इस लड़ाई में न सिर्फ 140 करोड़ भारतीय बल्कि पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। दुनिया के सभी देश एकजुट होकर आतकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की जनता के साथ खड़े हैं। जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं होगा हमारी लड़ाई जारी रहेगी और जिन लोगों ने यह कुकृत्य किया है उन्हें निश्चित रूप से दंड दिया जाएगा।

सुजाता चतुर्वेदी ने यूपीएससी के सदस्य के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय की पूर्व सचिव सुजाता चतुवेर्दी ने गुरुवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के सदस्य के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। आयोग के वरिष्ठ सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवत्त) राज शुक्ला ने उन्हें शपथ दिलाई।

सुजाता चतुवेर्दी ने नागपुर विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में स्नातक और इतिहास में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने लोक प्रशासन में एमफिल और रूसी भाषा में डिप्लोमा भी किया है। वह बिहार कैडर की 1989 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। उन्हें इस कैडर के साथ-साथ भारत सरकार में तीन दशकों से अधिक का प्रशासनिक अनुभव है। राज्य में उन्होंने वित्त विभाग की प्रधान सचिव, वाणिज्यिक कर आयुक्त, वित्त विभाग की सचिव, शहरी विकास विभाग की उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। केंद्र में वह युवा मामले और खेल सचिव, डीओपीटी में अतिरिक्त सचिव और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण में क्षेत्रीय उप महानिदेशक के पद भी संभाल चुकी हैं।

खेल विभाग में सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सुजाता चतुवेर्दी ने देश में खेलों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनके कुछ बेहतर कदमों के तौर पर वार्षिक खेलो इंडिया गेम्स की मेजबानी, फिडे शतरंज ओलंपियाड, फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप, राष्ट्रीय खेल भंडार प्रणाली का कार्यान्वयन, मानक खेल सुविधाओं का देशव्यापी मानचित्रण और डोपिंग के खिलाफ राष्ट्र की लड़ाई को मजबूत करने के लिए एंटी-डोपिंग बिल का अधिनियमन शामिल हैं। वह महाराष्ट्र की मूल निवासी हैं। वह हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, रूसी और मराठी में पारंगत हैं।

हरियाणा: डबवाली के खुईयां मलकाना गांव में एडीसी व एसपी ने किया रात्रि ठहराव, ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

महिपाल सिंह

हरियाणा: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस अधीक्षकों को महीने में अपने जिले के किसी एक गांव में रात्रि ठहराव करने और उनकी समस्याएं सुनने के आदेश दिए थे। जिसमें नशे की रोकथाम, कानून व्यवस्था, बिजली, पानी व स्वास्थ्य से संबंधित शिकायतों की समीक्षा करने के बारे में कहा गया था। जो इसकी अनुपालना में जिला डबवाली के एसपी व एडीसी ने बीते बुधवार गांव खुईयां मलकाना में रात्रि ठहराव किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर आईपीएस ने गांव के लोगों की समस्याएं सुनीं। इस मौके पर एसपी के साथ सभी अधिकारियों ने गांव में गश्त कर गांव में व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि युवाओं में बढ़ती ड्रग्स की प्रवृत्ति को हर हाल में रोकना है। इसके लिए प्रशासन और आमजन को मिलकर प्रयास करने होंगे। यदि गांव में किसी व्यक्ति द्वारा ड्रग्स बेचे जाने की जानकारी मिलती है तो इसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते उस पर ठोस कार्रवाई की जा सके।

इस अवसर पर उन्होंने खेलों के महत्व पर जोर देते हुए मौजूद युवाओं को कहा कि खेल हमारे शारीरिक विकास के लिए बहुत आवश्यक हैं। खेल हमारे शरीर को स्वस्थ व तंदुरुस्त बनाते हैं। खेल हमें शारीरिक व मानसिक बीमारियों से बचाते हैं। खेल शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। यह हमारी ध्यान क्षमता और मनोयोग्यता को विकसित करते हैं। यह हमारा आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। खेल खेलने से हम बुरे विचारों को त्याग देते हैं और मानसिक तनाव से दूर रहते हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि हम खेल खेलकर नशे जैसे बुरे कामों से मुक्ति पा सकते हैं। उन्होंने गांव के सरपंच व प्रतिष्ठित व्यक्तियों से गांव में समय-समय पर खेलों का आयोजन करवाने का अनुरोध किया। खेलों से जुड़कर ही युवा व बच्चे बुरी आदतों से दूर रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान में पुलिस कर्मचारी भी गांव-गांव जाकर खेलों के बारे में युवाओं को जागरूक कर उन्हें खेलों से जोड़ रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक ने गांव में सभी मौजूद ग्रामीणों को ग्राम प्रहरी के बारे में बताया और कहा गया कि आपके गांव का प्रहरी, गांव की कोई भी समस्या हो तो आप तुरंत अपने प्रहरी के माध्यम से पुलिस को बताएं। प्रहरी के माध्यम से आप कोई भी सूचना दे सकते हैं जिसमें कोई नशा तस्कर और अन्य अवैध धंधों में शामिल लोग इत्यादि हो। जो सूचना देगा उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। गांव में शराब पीकर परिवार व बच्चों के साथ कोई झगड़ा या मारपीट करता है तो उसकी सूचना आप तुरंत प्रहरी को दें या डायल 112 पर कॉल करें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझे और प्रत्येक नशा पीड़ित पर एक व्यक्ति उसे दवाई दिलवाने में सहयोग करे व उसे नशा छुड़वाएं। नशा मुक्ति टीम भी इस कार्य में जोर-शोर से लगी हुई है और नशा पीड़ितों की पहचान कर उन्हें सरकारी अस्पताल से काउंसलिंग करवाकर उनका इलाज करवा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने गांव में मौजूद बुजुर्ग व्यक्तियों से बातचीत की गई व नौजवानों को नशे से दूर रहने के बारे में प्रेरित किया। गांव के आपराधिक किस्म के व्यक्तियों के बारे में जानकारी हासिल की गई तथा हिस्ट्रीशीटर के बारे में पूछा गया। इस रात्रि ठहराव के दौरान पुलिस अधीक्षक ने गांव के सरपंच व ग्रामीणों से उनके गांव में कानून व्यवस्था व सुरक्षा संबंधी विषयों पर चर्चा की। ग्रामीणों ने फिरनी की रोड व स्टेडियम के रास्ते को पक्का करवाने व गांव में लाइटों को प्रबंध करवाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। प्रबंधक थाना सदर को गांव से संबंधित मामलों में न्याय संगत व कानून संगत कार्रवाई करने के बारे में निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक कालांवाली संदीप धनखड़, प्रभारी थाना सदर निरीक्षक ब्रह्म प्रकाश, प्रभारी सुरक्षा शाखा उप निरीक्षक सुभाष चंद्र व अन्य पुलिस कर्मचारियों सहित सरपंच खुईयां मलकाना रमनदीप कौर, पंच, नम्बरदार व ग्रामीण मौजूद थे। कार्यक्रम में एडीसी व एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और उन्होंने मौके पर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना व संबंधित अधिकारियों को जल्द उनका निपटान करने का आदेश दिया। ग्रामीणों ने डबवाली पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ किए गए कार्यों की प्रशंसा की व इस कार्य में पूरे गांव द्वारा बढ़-चढ़कर सहयोग देने का आश्वासन दिया गया।

शिरपुर तालुका के किसानों और श्रमिकों की जीवनरेखा पर लगा पूर्ण विराम

देवेन्द्र बद्रीलाल यादव

महाराष्ट्र: शिरपुर तालुका के किसानों और श्रमिकों की जीवनरेखा शिरपुर कृषक सहकारी शक्कर कारखाना पंद्रह साल बाद भी बंद है। जब चुनाव आते हैं तो फैक्ट्री का मुद्दा उठाया जाता है। हम यह दिखावा कर रहे हैं कि हमें किसानों की परवाह है और हम उनके जागीरदार हैं। हालाँकि, यह खेद की बात है कि मूल समस्या के समाधान के प्रति ज्यादा चिंता नहीं दिखाई जा रही है। जब कारखाना अच्छी तरह चल रहा था, तब इसमें नकारात्मक राजनीति शामिल हो गई और मिलीभगत से यह सहकारी परियोजना बंद कर दी गई। इसका असर किसानों पर पड़ा।

इसका असर फैक्ट्री में काम करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, श्रमिकों और मजदूरों पर भी पड़ा। चूंकि फैक्ट्री शुरू होने की कोई संभावना नहीं थी, इसलिए अधिकारियों का वेतन समाप्त हो गया। उन्हें भूखमरी की स्थिति का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मृत्यु को प्राथमिकता दी। कई लोगों ने रोजगार का नया रास्ता ढूंढने की कोशिश की। किसानों ने गन्ने की खेती बंद कर दी। पूरे तालुका को वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा। यह खेदजनक है कि इसे अभी तक बरामद नहीं किया जा सका है।

कोई भी खुलकर यह कहने को तैयार नहीं है कि यह परियोजना किसने और कैसे बंद कराई। अब इस मुद्दे को उठाने का कोई मतलब नहीं है। किसानों और श्रमिकों के कल्याण के लिए इस चीनी मिल को शुरू करना आवश्यक है। इस बात पर निर्णय लिया जाना चाहिए कि क्या उस दिशा में आगे बढ़ना संभव है। चुनाव में इस मुद्दे के असर को देखते हुए कारखाना शुरू करने का वादा किया गया।

शुभ मुहूर्त देखकर कारखाना स्थल पर ही इसकी घोषणा कर दी गई। किसानों को बुलाया गया। हालाँकि, यह नहीं बताया जा सका कि भविष्य की दिशा क्या होगी और एक-दूसरे को राजनीतिक संकेत देने में ही समय बर्बाद हो गया। किसानों को बताया गया कि फैक्ट्री चलाने की जिम्मेदारी मा रेवा शुगर कंपनी को दी जा रही है। यह बात सार्वजनिक हो गई।

हरियाणा: केजरीवाल के इशारे पर पंजाब ने हरियाणा का रोका पानी

कपूर चंद

हरियाणा: नवीन जयहिन्द ने प्रेसवार्ता कर बताया कि पूरे हरियाणा में पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है और 15 दिनों से पंजाब द्वारा हरियाणा का पानी बंद किया गया है। जयहिन्द का कहना है कि यह केजरीवाल ने हरियाणा का पानी रोककर अपनी खुंदस निकाल रहा है ताकि हरियाणा से दिल्ली को पानी न जाए। यह लोगों को प्यासा मरने की एक साजिश है और इस समय भारत व पाकिस्तान युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं और पूरा देश पाकिस्तान से बदला लेना चाहता है, उस दौरान ये चीजें हो रही हैं।

जयहिन्द ने सरकार व विपक्ष से सवाल करते हुए कहा कि जब एसवाईएल पर सुप्रीम कोर्ट निर्णय ले चुका है तो क्यों नहीं मुख्यमंत्री साहब व हुड्डा साहब प्रधानमंत्री जी के पास, राष्ट्रपति जी के पास व सुप्रीम कोर्ट जाते। वैसे भी हाईकोर्ट के निर्णय के नाम पर बहुत सी कार्यवाही हो रही है प्रदेश में लेकिन एसवाईएल पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय क्यों नहीं लागू करवाया जा रहा।

जयहिन्द का कहना है कि हरियाणा का बटेऊ होने के बाद भी भगवंत मान ऐसा काम कर रहे हैं। हम पंजाब के लोगों के लिए खून तक देने को तैयार हैं और पंजाब के लोगों को भी हरियाणा में पानी देने पर कोई आपत्ति नहीं है लेकिन वहां की राजनीतिक पार्टियां व नेता नहीं चाहते कि हरियाणा को पानी दिया जाए।

जयहिन्द ने सरकार पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि हाईकोर्ट का आदेश मानकर हरियाणा में कम फीस लेने वाले दस हजार प्राइवेट स्कूलों को बंद करने की तैयारी में हरियाणा सरकार है तो जो निर्णय सुप्रीम कोर्ट ने एसवाईएल पर दे रखा है, उसे भी तो लागू करवाए सरकार। लगभग पचास हजार भर्ती सरकारी स्कूलों में खाली पड़ी हैं। कितने मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री के रिश्तेदारों के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। साथ ही जयहिन्द ने कहा कि मुख्यमंत्री जी स्कूल बंद करवा रहे हैं तो उस जगह शराब के ठेके खुलवा दीजिए, कम से कम लोगों का रोजगार तो चलता रहेगा। जिन शराब की दुकानों को बंद करने के लिए पुलिस जानी चाहिए, वे पुलिस स्कूलों को बंद करने जा रही है।

जयहिन्द ने कहा कि अब बयानों से नहीं, बदले से बात बनेगी और देश के सभी लोग चाहते हैं कि पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जाए। मोदी जी जितना जल्दी हो सके आरझपर करें। साथ ही जयहिन्द ने देश के सभी सांसदों व विधायकों से अपील करते हुए कहा कि वे हमारे देश के सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिए बॉर्डर पर उनके साथ जाएं।

पहलगाम में जो निर्दोष लोग मारे गए हैं उनके लिए और सेना की मजबूती व साथ के लिए हम सभी फरसाधारी 11 मई 11 बजे पहरावर धाम (रोहतक) में मनाए जाने वाले भगवान परशुराम जन्मोत्सव में एकत्रित होंगे। जयहिन्द ने कहा कि हम फरसा लेकर बॉर्डर पर भी जाने को तैयार हैं। साथ ही जयहिन्द ने लोगों से भी अपील की कि सब अपनी सेना का हौसला बढ़ाएं। हम सेना की मजबूती के लिए सेना के साथ खड़े हैं।

बिहार: नौतन प्रखंड के बनकटवा में शुरू हुआ शिव शक्ति महायज्ञ, निकली कलश यात्रा

दिलीप कुमार

बिहार: नौतन प्रखंड के बनकटवा में महायज्ञ के आयोजन को लेकर दिनांक 02 मई 2025 से लेकर 13 मई 2025 तक होने वाले महायज्ञ की शुरूआत दिन शुक्रवार को भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में लगभग 1100 कुंवारी कन्याएं एवं महिला श्रद्धालु ने भाग लिया।

यात्रा में शामिल श्रद्धालु मंदिर परिसर से निकलकर विभिन्न गांवों का भ्रमण करते हुए गंगा नदी पहुंचे। जहाँ सभी शामिल श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में अपने-अपने कलश में जल भरकर पुनः मंदिर परिसर में पहुंचकर कलश यात्रा में घोड़ा, गुप्ता रथ, हाथी, और गाजे-बाजे के साथ कलश निकाली गई और वैदिक मंत्रों का उच्चारण करते हुए महायज्ञ का आयोजन किया गया है।

इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि आज सोमवार को गाजे-बाजे के साथ जल यात्रा निकाली गई। शिव शक्ति महायज्ञ में 1100 कन्याओं ने जल भरकर और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महायज्ञ शुरू हुआ। कमिटी के सदस्यों ने मेले में सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया है। और घोड़ा, रथ इत्यादि हजारों की संख्या में भाग लिया, जिसमें महिलाओं एवं लड़कियों के लिए शीतल पे जल की व्यवस्था की गई है।

हरियाणा: महिला थाना पुलिस ने नुक्कड़ सभा कर नशे के दुष्परिणामों के बारे में किया सचेत

रितेश

हरियाणा: पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर आईपीएस के मार्गदर्शन में डबवाली पुलिस लगातार आमजन को नशा और साइबर अपराधों के बारे में जागरूक कर रही है। जिसके लिए पुलिस के सभी थानों और चौकियों की टीमें इस कार्य में दिन-रात लगी हुई हैं। इस अभियान में डबवाली पुलिस की टीमें हर गली, चौक-चौराहों, स्कूल, कॉलेज और झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर नशे के दुष्परिणामों और साइबर अपराधों के बारे में जागरूक कर रही हैं। इसी अभियान को और आगे ले जाने की कड़ी में आज महिला थाना पुलिस टीम ने आमजन को नशे के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रेरित किया और साइबर अपराधों के बारे में जागरूक रहने की अपील की।

आमजन को जागरूक करते हुए महिला थाना प्रभारी उप निरीक्षक कमला देवी ने कहा कि समाज में अधिकांश अपराध नशे के कारण ही हो रहे हैं। शराब, गुटखा, सिगरेट, बीड़ी, खैनी का चलन बढ़ रहा है। पहले युवा नशा शौक के कारण करते हैं और बाद में धीरे-धीरे वह अन्य जानलेवा नशे जैसे हेरोइन, अफीम, पोस्त आदि लेना शुरू कर देते हैं। बाद में नशे की लत पड़ने पर उनका जीवन बर्बाद हो जाता है। नशे की बुरी लत से हमारे स्वास्थ्य के साथ-साथ धन की हानि होती है। नशे से हजारों लाखों घर बर्बाद हो चुके हैं। नौजवान बच्चे शौक में नशे की बुरी लत को पाल लेते हैं। बाद में नशे की पूर्ति के लिए अपराध का सहारा लेते हैं, जिसमें नौजवान चोरी, स्नैचिंग, लूट तथा अवैध हथियार के साथ वारदातों को अंजाम देते हैं। जिसके कारण उनकी हंसती-खेलती जिंदगी बर्बाद हो जाती है। हमें नशे से शुरूआत में ही लड़ना चाहिए, जिससे कि हम अपने स्वास्थ्य और धन के साथ अपने परिवार की खुशियों को बचा सकें। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और खेलों की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। अगर उनके आस-पास कोई नशा करता या बेचता हुआ पाया जाता है, तो इसकी सूचना पुलिस को अवश्य दें। आपका एक प्रयास कई घरों में अंधेरा होने से बचा सकता है। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

इसी तरह साइबर अपराधों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि हमें इंटरनेट पर अपने कार्य करने के दौरान या इंटरनेट का उपयोग करते समय बड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। हमें अपने सोशल मीडिया खातों पर एक मजबूत पासवर्ड लगाकर खातों को सुरक्षित रखना चाहिए। सोशल मीडिया पर किसी अनजान व्यक्ति से संपर्क नहीं करना चाहिए। किसी अनजान लिंक पर क्लिक करके उसे ओपन नहीं करना चाहिए। किसी अनजान नंबर से आने वाली वीडियो कॉल का उत्तर नहीं देना चाहिए और न ही किसी अंजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट मंजूर करनी चाहिए। जब कोई व्यक्ति अपने आपको बैंक का अधिकारी या प्रतिनिधि बताकर आपसे आपकी व्यक्तिगत जानकारी जैसे बैंक खाता नंबर, क्रेडिट/डेबिट कार्ड नंबर, एक्सपायरी डेट, सीवीवी नंबर, ओटीपी, आधार कार्ड नंबर और पैन कार्ड नंबर आदि मांगता है, तो उस व्यक्ति के साथ उक्त जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। इस प्रकार हम छोटी-छोटी सावधानियां बरतकर अपने आपको साइबर अपराधियों से बचाकर रख सकते हैं और अपने आपको होने वाली मानसिक व आर्थिक हानि से बचा सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि अगर आपके साथ किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी हो जाती है, तो तुरंत नेशनल साइबर कंप्लेंट पोर्टल नंबर 1930 पर कॉल करें और www.cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं। जितनी जल्दी हो सके शिकायत दर्ज करवाएं। इसके अतिरिक्त साइबर अपराध थाना या नजदीक पुलिस स्टेशन में साइबर हेल्प डेस्क पर भी अपनी शिकायत दर्ज कराकर साइबर अपराध के बारे में सहायता ली जा सकती है।

हरियाणा: पुलिस अधीक्षक ने औढा थाना का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रितेश

हरियाणा: पुलिस अधीक्षक डबवाली श्रीमती निकिता खट्ट आईपीएस ने औढां थाना का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उनके द्वारा डीएसपी कपिल अहलावत के साथ प्रबंधक थाना, प्रभारी चौकी व सभी अनुसंधानकताओं की CCTNS Part=A, Part=B के मुताबिक अपराध गोष्ठी ली गई। जिसमें थाना प्रभारी व अन्य महत्वपूर्ण शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य अपराध रोकथाम के लिए नई रणनीतियों पर चर्चा करना और पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाना था। मीटिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना व शाखाओं के कामकाज व आपराधिक समीक्षा के बाद सख्ती से सभी लंबित मामलों व शिकायतों को जल्द से जल्द सुलझाने हेतु निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने पॉक्सो से संबंधित मामलों को संवेदनशील बताते हुए प्राथमिकता देने व अपराधी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। नशा व अवैध हथियार तस्करी को लेकर पुलिस अधीक्षक ने सभी अनुसंधानकताओं को विशेष रूप से प्लान तैयार कर अपराधियों की धरपकड़ के आदेश दिए। उन्होंने बताया कि कैसे विशेष प्लान के तहत ऐसे व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखकर ही काबू किया जा सकता है। चोरी व स्नैचिंग की घटनाओं को लेकर निर्देश देते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम हेतु हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए इसे रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए। संवेदनशील इलाकों में गश्त और निगरानी बढ़ाई जाए। अपराध के पैटर्न का अध्ययन कर अपराधियों पर कार्रवाई की जाए और ऐसे कदम उठाए जाएं, जिससे अपराध की घटनाओं में कमी लाई जा सके।

पुलिस अधीक्षक ने सभी मौजूद अधिकारियों को साफ शब्दों में कहा है कि जो भी पीड़ित या शिकायतकर्ता थाना में आता है, तो सबसे पहले थाना प्रभारी स्वयं उसके साथ अच्छा आचरण रखते हुए उसकी बात सुने और उसके समाधान हेतु हर संभव प्रयास करे। पीड़ित को न्याय देना ही पुलिस की जिम्मेदारी है। बैठक में यह सुनिश्चित किया गया कि थाने में आने वाली शिकायतों का निपटारा समय पर हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पीड़ित न्याय से वंचित न रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस का काम सिर्फ कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि पीड़ितों को राहत और विश्वास दिलाना भी है। एसपी ने अपराध ग्रस्त और संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने सभी राइडर व पीसीआर इंचार्ज को अधिक सतर्क रहने और रात के समय सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया।

पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर में पुलिस जवानों के रहन-सहन व मैस आदि की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिए और कहा कि मैस में सफाई का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने सभी पुलिस कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी निष्ठापूर्वक करने के निर्देश दिए।

गुजरात: अहमदाबाद में चल रही रिक्शा वालों की मनमानी

राजपूत रणजीत

गुजरात: न्याय अधिकार समिति के न्यायाधीश अहमदाबाद, गुजरात, गांधीनगर सदस्य हैं। राजपूत रणजीत, सदस्य गांधीनगर, गुजरात, एक शिकायत है कि रिक्शा वाले हर जगह अपनी-अपनी मनमानी करते हैं। जो जगह पैसे की बेदारी करते हैं, सरकार से निवेदन करता हूं कि ऑटो रिक्शा वालों के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाए। पैसेंजर को रिक्शावाला लूटते हैं, अपनी मर्जी का किराया लेते हैं। पहले रिक्शा में बोलते हैं कि इतना किराया होगा, और रिक्शा वाले अपनी मनमानी चलाते हैं। गांधीनगर, गुजरात, कलोल रात को अहमदाबाद में भी लूटते हैं, दिन में भी लूटते हैं।

यही मेरी सरकार से विनती है कि रिक्शा वालों पर रोक लगाई जाए। रिक्शा में पैसेंजर हाइवे पर ओवरटेक करते हैं। "रिक्शा की मनमानी" का मतलब है ऑटो रिक्शा चालकों द्वारा मनमाने ढंग से किराया वसूलना या नियमों का पालन न करना। कई बार, ऑटो रिक्शा चालक अपनी मनमर्जी से किराया निर्धारित करते हैं, जो अक्सर तय दर से ज्यादा होता है, या वे सड़कों पर गलत तरीके से गाड़ी चलाते हैं जिससे यातायात बाधित होता है।

एक यात्री ऑटो रिक्शा में बैठता है और उसे एक निश्चित दूरी तक ले जाने के लिए सहमत होता है। ऑटो रिक्शा चालक, तय दूरी और समय के बावजूद, यात्री से मनमाने ढंग से ज्यादा किराया मांगता है।

एक ऑटो रिक्शा चालक ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करता है, गलत दिशा में गाड़ी चलाता है, या लाल बत्ती में भी गाड़ी रोक देता है।

एक ऑटो रिक्शा चालक यात्री को अपनी मनमर्जी से ले जाता है, जो उसे निर्धारित रास्ते से भटक जाता है और ज्यादा किराया मांगता है।

"रिक्शा की मनमानी" एक आम समस्या है जो कई शहरों में देखी जाती है और इससे यात्रियों को परेशानी होती है।

हरियाणा: पलवल में 4 मई को 9 परीक्षा केंद्रों पर होगी नीट की परीक्षा, 2736 विद्यार्थी लेंगे भाग

कपूर चंद

हरियाणा: उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) की परीक्षा के लिए जिला में स्थापित किए गए सभी परीक्षा केंद्रों में एसओपी की पालना सुनिश्चित की जाए। परीक्षा केंद्र के प्रत्येक रूम में दीवार घड़ी लगी हो, जिसका समय बिल्कुल ठीक हो। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ गुरुवार को जिला सचिवालय के सभागार में आगामी 4 मई को जिला में आयोजित होने वाली नीट की परीक्षा के दौरान सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के बारे में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों के बैठने के लिए आरामदायक व समतल बेंच होनी चाहिए, ताकि परीक्षा देने में किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न न हो। प्रत्येक सेंटर पर लॉगबुक मेंटेन होनी चाहिए। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम परीक्षा केंद्रों पर निर्बाध बिजली की सप्लाई सुनिश्चित करे। इसके साथ-साथ जनरेटर की सुविधा भी सुनिश्चित की जाए।

दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए व्हील चेयर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। नीट की परीक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि यह भी ध्यान रखा जाए कि परीक्षा केंद्र के आस-पास किसी प्रकार का ध्वनि प्रदूषण न हो। परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट सुनिश्चित हो। स्ट्रॉग रूम और पेपर कलेक्शन रूम में सुरक्षा के कड़े प्रबंध होने चाहिए और परीक्षा केंद्र सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होना चाहिए। पार्किंग की व्यवस्था हो और स्टाफ की वेरिफिकेशन करवाने के लिए पुलिस विभाग को विवरण उपलब्ध करवाया जाए।

उल्लेखनीय है कि आगामी 4 मई को जिला में 09 परीक्षा केंद्रों पर नीट परीक्षा दोपहर 02 से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। इन परीक्षा केंद्रों पर कुल 2736 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे, जिनमें 1344 छात्र तथा 1392 छात्राएं शामिल हैं। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा का आयोजन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक होगा। परीक्षार्थियों को सुबह 11 बजे से प्रवेश की अनुमति दी जाएगी, जबकि दोपहर 1:30 बजे के बाद किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने आगामी नीट परीक्षा को लेकर संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने अधिकारियों से जिला में निर्धारित 9 परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र पर मूलभूत सुविधाएं, बिजली, पंखे, जैमर, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, बेंच सहित अन्य उचित व्यवस्था के प्रबंध के बारे में भी अधिकारी ध्यान रखें।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने अधिकारियों से कहा कि वे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा नीट परीक्षा के लिए नियुक्त पर्यवेक्षकों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। परीक्षा केंद्रों पर आने वाले विद्यार्थियों की जांच के बाद ही उन्हें प्रवेश की अनुमति दी जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएं और अधिकारी स्वयं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लें।

समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला, अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी, एसडीएम ज्योति, एसडीएम विकास यादव, एसडीएम गुरमीत सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार बघेल, नीट परीक्षा के सिटी कोऑर्डिनेटर दीपक सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश: करणी सेना के विरोध में सड़क पर उतरे सपाई, बाबा साहब की तस्वीर लेकर किया विरोध प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

अश्वनी कुमार त्रिपाठी

उत्तर प्रदेश: समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन को लगातार जान से मारने की धमकी, उनके आवास एवं काफिले पर हमले की घटना सहित उत्तर प्रदेश में पीडीए समाज के उत्पीड़न की बढ़ रही घटनाओं को लेकर उत्तर प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था के खिलाफ बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव की अगुवाई में बड़ी संख्या में नेताओं व कार्यकताओं ने प्रेस क्लब से लेकर कचहरी गेट तक बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीर को लेकर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी अयोध्या को सौंपा।

इस दौरान जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार करणी सेना को लगातार संरक्षण दे रही है। करणी सेना द्वारा सपा सांसद रामजीलाल सुमन पर किया गया हमला कानून व्यवस्था का जीता जागता उदाहरण है। आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पीडीए के लोगों का लगातार उत्पीड़न हो रहा है। पारसनाथ यादव ने मांग की कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाए जाएं। पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आए दिन जनता का उत्पीड़न, हत्या, लूट, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और अराजकता की घटनाएं आम हो गई हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है।

भाजपा सरकार में अपराधियों के हौसले बढ़ गए हैं और उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार कानून का शासन स्थापित करने में पूरी तरह से असफल हो गई है। पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन पर हुए हमले की निंदा की और कहा कि समाजवादी पार्टी इसके खिलाफ है और दोषियों के विरुद्ध जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई की जाए। सपा प्रवक्ता लवलेश पांडेय ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव बख्तियार खान ने किया।

कार्यक्रम को महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, हामिद जाफर मीशम, पूर्व एमएलसी लीलावती कुशवाहा, राम सागर वर्मा, राम जी पाल, जेपी यादव, राजेश पटेल, एजाज अहमद, आकिब खान, ललित यादव, जय सिंह यादव, राघवेंद्र सिंह (अनूप), विद्या भूषण पासी, गोविंद विश्वकर्मा, रामकरन यादव, शावेज जाफरी, शोएब खान, राशिद जमील, बाबू राम गौड, ओपी पासवान, मो0 वैस अली, मुलायम यादव, समरपाल सिंह यादव, लाल बहादुर शुक्ला, सरोज यादव, पृथ्वीराज यादव, रक्षाराम यादव, छोटे लाल यादव, सियाराम निषाद, अफसार अहमद, राजितराम गौतम, बलराम यादव, माखन लाल यादव, धर्मवीर वर्मा, राकेश चौरसिया सहित बड़ी संख्या में पार्टी के नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश: जनता की पीड़ा से नहीं मोड़ा मुंह, देर तक दरबार सजाकर मिसाल बने SDM

अश्वनी कुमार त्रिपाठी

उत्तर प्रदेश: अयोध्या में प्रशासनिक व्यवस्था में आम तौर पर यह देखा जाता है कि जनता दरबार का समय दोपहर 12:00 बजे के बाद समाप्त कर दिया जाता है, लेकिन एसडीएम सदर राम प्रसाद त्रिपाठी ने मजदूर दिवस के अवसर पर इस परंपरा को तोड़ते हुए यह स्पष्ट किया कि जनता की समस्या का समाधान समय नहीं, समर्पण मांगता है।

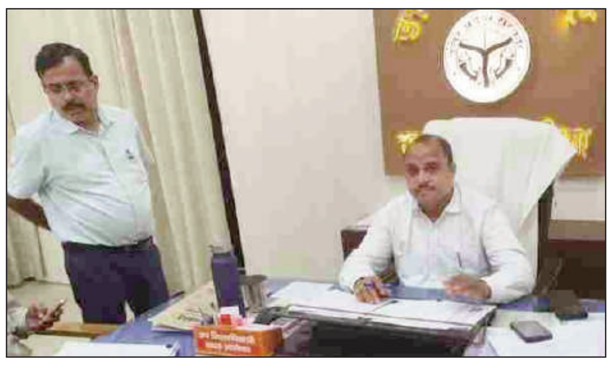

आज मजदूर दिवस के दिन जहां ज्यादातर अधिकारी औपचारिकताएं निभाकर अपने दायित्वों से निवत्त हो जाते हैं, वहीं एसडीएम सदर राम प्रसाद त्रिपाठी ने लगभग दोपहर 2:00 बजे तक फरियादियों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान के आदेश जारी किए। यह प्रशासनिक दायित्व और मानवीय संवेदनशीलता का दुर्लभ संगम था।

एक महिला अपनी पीड़ा लेकर जब दरबार में पहुँची और बोलते-बोलते रोने लगी, तो एसडीएम सदर राम प्रसाद त्रिपाठी ने उसे स्नेहपूर्वक समझाया—रोने से समस्या नहीं सुलझेगी, समाधान से सुलझेगी, और तत्काल उसकी समस्या का निस्तारण कराया।

इसी दरबार में एक और मामला सामने आया जहाँ एक पीड़ित ने बताया कि उसका विपक्षी उसकी जमीन पर मकान बना रहा है, जबकि जब वह स्वयं निर्माण कार्य करता है तो उसे धमकियां दी जाती हैं। इस पर एसडीएम सदर राम प्रसाद त्रिपाठी ने दो टूक कहा—यदि उसका मकान बनेगा, तो तुम्हारा भी बनेगा,ह्व और संबंधित अधिकारियों को तत्काल न्यायोचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पत्रकारों द्वारा जब उनसे यह पूछा गया कि जनता दरबार आज निर्धारित समय से काफी देर तक क्यों चला, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा—जब तक जनता है, तब तक दरबार है। जब जनता नहीं, तब दरबार नहीं। हर एक नागरिक की समस्या को सुनना और उसका समाधान करना हमारा परम कर्तव्य है। अगर जनता संतुष्ट होगी, तभी प्रशासन का काम सफल माना जाएगा और तभी एक खुशहाल भारत का निर्माण संभव है।

एसडीएम सदर राम प्रसाद त्रिपाठी का यह कदम न केवल अयोध्या के प्रशासनिक क्षेत्र में एक मिसाल है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि अगर अधिकारी संवेदनशील हों, तो जनता को न्याय पाने के लिए दर-दर भटकना नहीं पड़ता।

गुजरात: 50 जेसीबी, 2000 पुलिसकर्मी के साथ अहमदाबाद के मिनी बांग्लादेश में बुलडोजर एक्शन

सुल्तान सिद्दीकी

गुजरात: अहमदाबाद नगर निगम ने मंगलवार को अवैध निर्माण के खिलाफ सबसे बड़ा अभियान चलाया है। एएमसी ने चंदोला झील के पास अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हटाने के लिए यह अभियान शुरू किया है। यह कार्रवाई एक सर्वे के बाद की गई। सर्वे में पता चला कि इलाके में अवैध निर्माण हुआ है। यह निर्माण मुख्य रूप से सियासतनगर बंगाल वास में हुआ है। यहां कई बांग्लादेशी नागरिक रह रहे थे।

पूरे गुजरात में अवैध प्रवासियों पर एक बड़ी कार्रवाई चल रही है। उमरगाम पुलिस ने सात बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। वडोदरा पुलिस ने 500 से अधिक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। अहमदाबाद पुलिस ने लालू बिहारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। लालू बिहारी पर अवैध प्रवासियों के लिए फर्जी दस्तावेज बनाने का आरोप है। बांग्लादेशी घुसपैठिए का बन गया था ठिकाना पुलिस अधिकारी ने बताया कि सियासतनगर बंगाल वास एक बस्ती के रूप में कार्य करता था। जहां अधिकांश बांग्लादेशी घुसपैठिए रहते थे। अहमदाबाद नगर निगम की ओर से एक सर्वेक्षण किया गया। इसमें अवैध निर्माण की पहचान की गई।

इसके बाद मंगलवार से बड़े पैमाने पर विध्वंस अभियान शुरू हुआ। अधिकारियों ने अभियान के लिए 50 जेसीबी तैनात कीं। इसमें आसपास के क्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखने के लिए 2000 पुलिसकर्मियों का सहयोग रहा। सात अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, अवैध बांग्लादेशियों को लेकर चले इस राज्यव्यापी अभियान में उमरगाम पुलिस ने सात अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। मीडिया से बातचीत के दौरान वलसाड के पुलिस अधीक्षक (एसपी) करणराज वाघेला ने कहा कि पकड़े गए व्यक्तियों से पूछताछ की जाएगी।

उसके बाद उनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। 500 लोग भी हिरासत में वाघेला ने कहा कि एक कपड़ा कारखाने के श्रमिकों से पूछताछ की गई और छह पुरुषों और एक महिला को हिरासत में लिया गया। वे बांग्लादेशी हैं। वे बांग्लादेश से नेपाल गए और फिर पश्चिम बंगाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश किए। उनसे पूछताछ की जाएगी और फिर उन्हें निर्वासित करने की प्रक्रिया शुरू होगी। अधिकारियों के अनुसार, 27 अप्रैल को वडोदरा पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिक होने के संदेह में 500 से अधिक व्यक्तियों को हिरासत में लिया।

उत्तर प्रदेश: पहलगाम में सैलानियों की नृशंस हत्या के विरोध में मुस्लिम समाज ने कैंडिल मार्च निकालकर किया प्रदर्शन

जुगेश कुमार

उत्तर प्रदेश: सोनभद्र में कश्मीर के पहलगाम शहर में 26 पर्यटकों की आतंकियों द्वारा नृशंस हत्या के विरोध में रेनुकूट क्षेत्र के मुस्लिम समाज के लोगों ने कैंडिल मार्च निकालकर आतंकवादियों एवं पाकिस्तान के विरोध में प्रदर्शन किया। जामा मस्जिद मैनेजिंग कमेटी व रजाये मुस्तफा अहले सुन्नत वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में विशाल कैंडिल मार्च निकाला गया, रेनुकूट जामा मस्जिद के प्रांगण से जुलूस निकालकर मुख्य मार्ग से होते हुए रेनुकूट पुलिस चौकी चौराहे तक पहुंचा।

जुलूस के दौरान मुस्लिमों ने अपने बैनर व राष्ट्रीय ध्वज के साथ कैंडिल हाथों में लेकर चल रहे थे। मुस्लिम समाज के लोगों ने "पाकिस्तान मुदार्बाद, आतंकवाद मुदार्बाद" का नारा बुलंद करते हुए चल रहे थे और मुस्लिमों ने इन नारों के साथ आतंकवादियों एवं पाकिस्तान के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करते हुए आतंकवादियों को फांसी की सजा देने की मांग भी करते हुए जुलूस में चल रहे थे।

पूरे रेनुकूट शहर में माहौल गमगीन एवं आक्रोशित नजर आया। जुलूस के दौरान प्रभारी निरीक्षक थाना पिपरी नागेश सिंह व चौकी प्रभारी राजेश जी चौबे पुलिस बल तथा पीएसी के जवानों के साथ तैनात रहे। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक-चौबंद बंदोबस्त रखे हुए थे। प्रशासन की देखरेख में कैंडिल मार्च में भारी संख्या में मुस्लिम समाज की भीड़ होने के बावजूद यह शांति पूर्वक जुलूस सम्पन्न हुआ। इस जुलूस का नेतृत्व शेख जलालुद्दीन, वरिष्ठ पत्रकार एवं लियाकत खान कर रहे थे। जुलूस रेनुकूट पुलिस चौकी पर पहुंचकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार के नाम एक ज्ञापन भी प्रभारी निरीक्षक थाना पिपरी नागेश सिंह को सौंपा। उसके बाद मुस्लिमों ने चौराहे पर कैंडिल जलाकर मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर कैंडिल मार्च में जामा मस्जिद के पेश इमाम जनाब हाजी मौलाना रियाजुदीन अंसारी, पिपरी जामा मस्जिद के पेश इमाम कारी सनाउल मुस्तफा, मौलाना कयामुद्दीन, मौलाना हबीबुल्ला हाफिज मुबारक, इस्लामिया मदरसा के पेश इमाम हाफिज रियाज अहमद, हाफिज तारीक, मोअज्जिम ऐनुल हक अंसारी, लियाकत अली खान, शराफत अली, मोबीन खान, रियाज कुरैशी, सभासद नौशाद, अजीम खान, आफताब अहमद, अख्तर उर्फ नानक, हाजी आलम, शेख जलालुद्दीन पत्रकार, खुर्शीद मंसूरी, तनवीर मंसूरी, वकील अहमद मंसूरी, शहजाद मंसूरी, शाहिद मंसूरी, बाबू खान, सोनू खान, शहनशाह कुरैशी, बादशाह कुरैशी, शेख गुलमुहम्मद, जब्बार खान, शहजादे मंसूरी, नौशाद कुरैशी, सूरज ओझा, सैय्यद अली, ईलू आदि सहित भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग कैंडिल मार्च में शामिल थे।

उत्तर प्रदेश: आगरा के नालंदा प्राइड अपार्टमेंट में काम करने गए दलित युवक की डॉक्टर ने कर दी पिटाई

मुकेश सिंह

उत्तर प्रदेश: आगरा के थाना हरी पर्वत क्षेत्र स्थित खंदारी के एक नालंदा प्राइड अपार्टमेंट में एक दलित युवक जतिन पर हमला करने का मामला सामने आया है। घटना 27 अप्रैल की बताई जा रही है, जब जतिन अपने मालिक जगदीश मीरचंदानी के साथ एक फ्लैट में काम करने गया था। पार्किंग में खड़े होकर मालिक का इंतजार कर रहे जतिन के साथ डॉक्टर नरेश शर्मा ने पहले गाली-गलौज करना शुरू कर दिया, फिर कथित तौर पर एक धारदार वस्तु से हमला कर दिया। घायल जतिन का आरोप है कि डॉक्टर ने जान से मारने की मंशा से मेरे ऊपर वार किया।

बता दें घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें स्पष्ट देखा जा रहा है कि डॉक्टर नरेश शर्मा ने युवक को जबरन घसीटते और मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो बनाने वाले दूसरे युवक से भी डॉक्टर ने अभद्रता व धक्का-मुक्की की और उसका मोबाइल भी छीनने की कोशिश की गई।

बताया जा रहा है कि डॉक्टर का दावा है कि युवक पार्किंग में शराब पी रहे थे, जबकि घायल जतिन का कहना है कि वह एक कारपेंटर का काम करता है और वहां केवल काम के सिलसिले से गया था। फिलहाल पुलिस के द्वारा डॉक्टर नरेश शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, लेकिन बताया जा रहा है कि अधिकारी बयान देने से बच रहे हैं। घटना की पूरी जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र: गडचिरोली आष्टी गांव के सावित्री बाई फुले स्कूल में में मनाई गई महाराष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस

महेश पांडुरंग शेंडे

महाराष्ट्र: 1 मई 2025 अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के मौके पर इस साल देशभर के मजदूरों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर देने वाली बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। केंद्र सरकार ने आज मजदूरों के हक में कई अहम घोषणाएं करते हुए न्यूनतम मजदूरी में बढ़ोतरी, ई-श्रम कार्ड धारकों को सीधी आर्थिक सहायता और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार का ऐलान किया। आयोजित कार्यक्रम में श्री कपिल मसराम ने कहा,

"मजदूर हमारे राष्ट्र निर्माण के असली हीरो हैं। उनके बिना देश की तरक्की की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज का दिन उनके सम्मान का दिन है।

अब अधिक मजदूर परिवार आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आएंगे। विशेष स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम्स: जिससे असंगठित क्षेत्र के मजदूर नई तकनीकों के साथ खुद को सशक्त बना सकें। देश के अलग-अलग हिस्सों से मजदूरों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं।

"आज पहली बार लग रहा है कि हमारी मेहनत को सराहा गया है। ये उपलब्धि हमारे लिए उम्मीद की किरण है। इस मजदूर दिवस पर जब देश भर में मजदूरों को मिला इतना बड़ा तोहफा, तो हर नागरिक को चाहिए कि वो इन मेहनतकशों को दिल से सलाम करे। क्योंकि मजदूर ही देश की रीढ़ हैं झ और उनका सम्मान, हमारा कर्तव्य है।

इस खुशी के अवसर पर आदर्श शिक्षण प्रसारक मंडल आष्टी के संचालक शंकर पाटील मारशेट्टीवार के हाथों से ध्वजारोहण हुआ। उपस्थित संचालक दिवाकर कुंदोजवार, संचालक मारोतराव जोरगलवार, मुख्याध्यापक सूनंदा गलबले, शिक्षक ईश्वर शेरेकर, प्रदीप वाकडे, भोजराज क्षिरसागर, महेंद्र खोब्रागडे, तिरुपतेश्वर मलेल्लवार, कपिल मसराम, आचल अन्नमवार की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

असम: पाकिस्तान ने भारत की संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर जारी की कड़ी चेतावनी

सुहैल इरफान

असम: पाकिस्तान ने भारत की संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की है। पाकिस्तान के संघीय मंत्री अत्ताउल्ला तारड़ ने 30 अप्रैल की तड़के करीब 3 बजे एक प्रेस वार्ता में कहा कि उन्हें विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली है कि भारत अगले 24 से 36 घंटों के भीतर पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

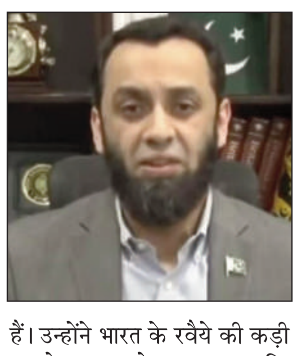

मंत्री तारड़ ने कहा कि भारत जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए एक हमले को बहाना बनाकर पाकिस्तान पर आरोप लगा रहा है, जबकि यह आरोप पूरी तरह ह्लबेबुनियाद और मनगढ़ंतह्व हैं। उन्होंने भारत के रवैये की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि भारत ने खुद को क्षेत्र का ह्लन्यायाधीश, जूरी और जल्लादह्व घोषित कर लिया है, जोकि अत्यंत लापरवाह और अस्वीकार्य है।

तारड़ ने कहा, ह्लपाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है और जानता है कि इस तरह की हिंसा कितना दर्द देती है। हमने हमेशा दुनिया भर में आतंकवाद के हर रूप की निंदा की है।

उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान ने एक जिम्मेदार देश के रूप में एक 'विश्वसनीय, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच' का प्रस्ताव रखा था, जिसे किसी तटस्थ विशेषज्ञ समिति के जरिए कराया जा सकता था। लेकिन भारत ने इस संयमपूर्ण रास्ते को ठुकरा दिया और टकराव का मार्ग अपनाया।

मंत्री ने कहा कि भारत की ओर से स्वतंत्र जांच से बचने की कोशिश उसकी 'वास्तविक मंशाओं को उजागर करती है' और यह दिखाता है कि किस तरह जनता की भावनाओं को राजनीतिक लाभ के लिए भड़काया जा रहा है। तारड़ ने चेतावनी देते हुए कहा, भारत की कोई भी सैन्य दुस्साहसता का पाकिस्तान पूरी ताकत और दृढ़ता से जवाब देगा। यह सिर्फ हमारी संप्रभुता की रक्षा नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति के लिए जरूरी है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे इस स्थिति को गंभीरता से लें और भारत को किसी भी प्रकार की उकसावे वाली कार्रवाई के लिए ज़िम्मेदार ठहराएं। पाकिस्तान अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह एकजुट और प्रतिबद्ध है, अत्ताउल्ला तारड़ ने कहा।

सम्पादकीय

सेना को खुली छूट

प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान, आतंकियों और उनके आकाओं पर प्रहार करने की सेना को खुली छूट दे दी है। हमले का तरीका, जगह, लक्ष्य और समय सेनाएं ही तय करेंगी। प्रधानमंत्री ने देश की सेनाओं की क्षमताओं पर विश्वास जताया है। इतना जरूर स्पष्ट किया गया है कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। कश्मीर में ही उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को खुली छूट दी थी। हालांकि सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई हमले की अंतिम स्वीकृति प्रधानमंत्री से जरूर ली गई थी। प्रधानमंत्री ने बीते दो दिनों में दो बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। उन बैठकों में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी मौजूद रहे, लेकिन निर्णायक बैठक में तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे।

जाहिर है कि प्रधानमंत्री के सामने संभावित हमलों के प्रारूप और रोडमैप रखे गए होंगे! अंततः सेना को स्वतंत्र छूट दी गई। बुधवार, 30 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी, राजनीतिक और आर्थिक मामलों की कैबिनेट समितियों की बैठकों में भी व्यापक विमर्श किया गया। कैबिनेट की पूरी बैठक भी की गई। अब सर्वोच्च स्तर पर यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत ने पहलगाम नरसंहार का बदला लेना तय कर लिया है। तीनों सेना प्रमुखों के प्रारूपों में जो संशोधन जरूरी लगे होंगे, वे कैबिनेट की बैठकों में कर लिए गए। अब हमारी सेनाओं का आक्रामक प्रहार क्या होगा, यह उसी पल ही सामने आएगा, जब हमला किया जाएगा। भारत अपनी तरफ से युद्ध का आगाज करने नहीं जा रहा है। जो आतंकवाद के चेहरे हैं, निशाने पर सिर्फ वही होने चाहिए। रक्षा विशेषज्ञ अपने लंबे, सैन्य अनुभवों के आधार पर आकलन कर रहे हैं कि आतंकियों के साथ-साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, वहां की फौज और सेना प्रमुख जनरल मुनीर हमारी सेनाओं के निशाने पर हो सकते हैं।

ये ही आतंकवाद का क्रमबद्ध सिलसिला हैं। सेना के ऑपरेशन जमीन और हवा के अलावा समंदर से भी किए जा सकते हैं। हमारी सेनाओं ने दुश्मन का अच्छी तरह अध्ययन कर लिया होगा! हमारी सेनाओं के निशाने पर पाकिस्तान के 30 से ज्यादा महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं, जिन्हें सेनाएं मिसाइल हमलों में ही उड़ा सकती हैं। हमारी सेनाओं के पास ऐसे भी अस्त्र हैं, जिन्हें भारत की सीमा में रहते हुए भी छोड़ा जा सकता है। वे वाकई बेहद विध्वंसक हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार सैन्य ऑपरेशन व्यापक और बहुध्रुवीय हो सकता है। बहरहाल सेना जो भी करेगी, पूरी दुनिया के सामने होगा, लेकिन एक बार फिर दोहरा रहे हैं कि यह देश के एकजुट रहने का वक्त है। यह विवादास्पद, घटिया और मानहानि वाले पोस्टर पोस्ट करने का वक्त नहीं है। यह देश के प्रधानमंत्री को अपमानित करने का भी समय नहीं है।

हां, हम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस आग्रह को समर्थन देते हैं कि संसद का एकदिनी विशेष सत्र बुलाया जाए और पाकिस्तान, आतंकवाद के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया जाए। ऐसे विशेष सत्र 'निर्भया कांड' के बाद भी बुलाए गए हैं। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया, तो मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का नया विचार सामने आया। प्रधानमंत्री मोदी संसद के भीतर सैन्य रणनीति का खुलासा बिल्कुल न करें। विपक्ष से भी हमारी अपेक्षाएं हैं कि वे फिजूल का दबाव सरकार पर न डालें। एक राष्ट्र के तौर पर, संसद के जरिए, आतंकवाद और पाकिस्तान की भूमिका को पुरजोर बेनकाब करें। बेशक दुनिया भी हमारी संसद से गूंजने वाले हुंकारों को सुनेगी। यदि सरकार संसद का सत्र नहीं बुलाती है, तो कमोबेश अभी उसे सियासत का आधार न बनाएं। भारत को पलटवार कर प्रतिशोध लेने दें, पीड़ित परिवारों को कुछ तसल्ली मिलने दें। देश सामान्य हो जाएगा, तो सरकार का विरोध जायज होगा।

मजदूर दिवस: एक दिन सम्मान, साल भर अपमान

-प्रियंका सौरभ-

हर वर्ष 01 मई को मनाया जाने वाला मजदूर दिवस, श्रमिकों के संघर्ष, बलिदान और अधिकारों की रक्षा का प्रतीक है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि समाज की नींव उन हाथों से बनती है जो दिन-रात मेहनत करते हैं। लेकिन क्या हम सच में इन मेहनतकशों को वह सम्मान और अधिकार देते हैं, जिसके वे हकदार हैं? क्या यह सिर्फ एक दिन का प्रतीक बनकर रह गया है या फिर इसका सार्थकता का कार्य पूरे वर्ष में होना चाहिए?

मजदूर दिवस की शुरूआत 1886 में शिकागो, अमेरिका से हुई थी। उस समय श्रमिकों ने 8 घंटे काम के दिन की मांग को लेकर आंदोलन किया। इस संघर्ष में कई श्रमिकों की जान गई, और यह घटना 'हेमार्केट कांड' के नाम से प्रसिद्ध हुई। इसके बाद, 1889 में पेरिस में आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में 1 मई को मजदूर दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। भारत में, यह दिन पहली बार 1923 में मद्रास (अब चेन्नई) में मनाया गया। तब से लेकर आज तक, मजदूर दिवस श्रमिकों के अधिकारों और उनके संघर्ष की याद दिलाने का दिन बना हुआ है।

भारत में श्रमिकों की स्थिति अब भी चिंताजनक है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार, भारत में बेरोजगारी की दर अप्रैल 2024 में बढ़कर 8.1 प्रतिशत हो गई है। इसके अलावा, भारत में लगभग 43 करोड़ लोग दिहाड़ी मजदूरी या कृषि कार्यों में लगे हुए हैं, जो असुरक्षित और अनौपचारिक श्रमिक माने जाते हैं। यह असुरक्षा उनके जीवन को एक कठिन संघर्ष बना देती है, क्योंकि वे किसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा या भविष्य की गारंटी के बिना काम करते हैं।

भारत में श्रमिकों के अधिकारों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मजदूरों की औसत मासिक कमाई 10, 000 से 20, 000 रुपये के बीच है, जो अमेरिकी मजदूरों की तुलना में काफी कम है। इसके अलावा, श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और स्थिर रोजगार की कमी है। विशेष रूप से महिला श्रमिकों को समान वेतन, मातृत्व अवकाश और यौन उत्पीड़न से सुरक्षा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

भारत में लाखों श्रमिकों का पंजीकरण नहीं होता, जिसके कारण वे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते। अगर श्रमिकों का पंजीकरण अनिवार्य किया जाए, तो उन्हें सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकता है। इससे सरकार को श्रमिकों की सही संख्या का भी पता चलेगा और उनके लिए योजनाओं का संचालन और भी बेहतर हो सकेगा।

श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा का विस्तार किया जाना चाहिए। इसमें स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और अन्य योजनाएं शामिल हो सकती हैं। यदि श्रमिकों को इन योजनाओं का लाभ मिलता है, तो उनके जीवन में स्थिरता और सुरक्षा आ सकती है। श्रमिकों को कौशल विकास के अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि वे बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकें। खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को शिक्षा और प्रशिक्षण के अवसर मिलें, जिससे उनका रोजगार और जीवनस्तर बेहतर हो सके।

महिला श्रमिकों के लिए विशेष सुरक्षा उपायों और समान वेतन की गारंटी दी जाए। इसके लिए विशेष कानूनों और प्रोटोकॉल का निर्माण किया जाना चाहिए, जिससे महिला श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान प्राप्त हो सके। श्रमिकों के लिए प्रभावी कानूनों का निर्माण और उनके अनुपालन की निगरानी करनी चाहिए। अगर श्रमिकों को उनका कानूनी संरक्षण सही तरीके से मिलता है, तो वे अपने अधिकारों का पालन करवा सकते हैं और बेहतर कार्य परिस्थितियों में काम कर सकते हैं।

भारत में श्रमिक आंदोलनों का इतिहास लंबा और संघर्षपूर्ण रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी श्रमिकों ने अपनी आवाज उठाई थी। हालांकि, आजादी के बाद भी श्रमिकों की हालत में ज्यादा सुधार नहीं आया। श्रमिक आंदोलनों ने कई बार सरकारों को जागरूक किया है और सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। फिर भी, श्रमिकों की असुरक्षा और अधिकारों की स्थिति में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं आया है।

बेतुके बयानों से बचें एवं राजनीतिक सहमति कायम रखें

-ललित गर्ग-

> भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने अपने विवादित बयान में कहा कि इस घटना से किसे फायदा हो रहा है और कौन हिंदू-मुस्लिम कर रहा है इसका जवाब हमला करने वाले के पास ही है। टिकैत ने जोर देकर कहा कि असली चोर पाकिस्तान में नहीं बल्कि भारत में ही मौजूद है। टिकैत अपने औछे, घटिया एवं उच्छृंखल बयान के साथ यह उदाहरण भी दिया कि जब गांव में किसी की हत्या होती है, तो पुलिस सबसे पहले उसे पकड़ती है, जिसे जमीन मिलने जैसा फायदा होता है।

पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना ने भारत की आत्मा पर सीधा हमला किया है, इसमें पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका को देखते हुए देश की एक सौ चालीस करोड जनता चाहती है कि अब पाकिस्तान को सबक सीखाना जरूरी हो गया है, नरेन्द्र मोदी सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया और पाकिस्तान के खिलाफ कठोर एक्शन लेते हुए सिंधु जल को रोकने जैसे पांच कदम उठाये। दोनों ही देशों के बीच युद्ध की स्थिति बनी है, यह पहली बार देखने को मिला है कि इस घटना को लेकर कश्मीर सहित समूचा देश एक दिखाई दे रहा है। ऐसे क्रूर, आतंकी एवं अमानवीय हमले के वक्त में पूरा देश दुख और गुस्से की मनःस्थिति से गुजर रहा है, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। सभी राजनीतिक दल, जाति, वर्ग, धर्म के लोग पाकिस्तान को करारा जबाव देने के लिये मोदी सरकार के हर निर्णय में सहयोगी होने का संकल्प व्यक्त किया है, बावजूद इसके कुछ नेताओं के ओछे, बेतुके एवं अराष्ट्रीय बयान भी सामने आए हैं, जिनको सुनकर इन नेताओं के मानसिक दिवालियेपन, औछेपन एवं विध्वंसक राजनीतिक सोच पर क्रोध भी आता है एवं तरस भी आता है। निश्चित ही ये बयान जहां अंधविरोध की घोर नकारात्मक एवं संकीर्ण राजनीति को दशार्ते है, वहीं कुछ वोट बैंक की सस्ती राजनीति को उजागर करते हैं। भाजपा नेताओं को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनकी ओर से ऐसा कुछ न कहा-किया जाए, जिससे यह लगे कि वे पहलगाम की घटना का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। जब राष्ट्र संकट एवं जटिल दौर में हो, किसी का

राजनीतिक हित देशहित से बड़ा नहीं हो सकता।

अनर्गल, बेतुके एवं राष्ट्र-विरोधी बयानों ने एक बार फिर कुछ नेताओं एवं दलों की घटिया सोच को बेनकाब किया है। जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना पर अपने नेताओं के बेतुके बयानों का संज्ञान लिया और यह निर्देश दिया कि वे इस हमले पर पार्टी लाइन के हिसाब से ही बोलें। ऐसे निर्देश देना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि उसके कई बड़े नेता और यहां तक कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी बेलगाम होकर यह कह गए कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं। वहीं के एक मंत्री एवं नेता ने तो कहा कि आतंकियों के पास इतना समय कहां होता है कि वह किसी को मारने से पहले उसका धर्म पूछें। इसी तरह का बयान महाराष्ट्र के कांग्रेस विधायक ने भी दिया। हद तो यह हो गई कि जब यह भी बोला गया कि जो महिला कह रही है कि उसके पति को मारने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया, उसने अपना होशोहवास खो दिया होगा। एक अन्य कांग्रेस नेता ने यह बेतुकी बात कही कि पाकिस्तान भाजपा और आरएसएस का दुश्मन होगा, कांग्रेस का नहीं? ऐसे बयान केवल संवेदनहीन और पहलगाम हमले से क्षुब्ध देशवासियों का खून खौलाने वाले ही नहीं, आतंक को खाद-पानी देने वालों के मन की मुराद पूरी करने वाले भी हैं।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने अपने विवादित बयान में कहा कि इस घटना से किसे फायदा हो रहा है और कौन हिंदू-मुस्लिम कर रहा है इसका जवाब हमला करने वाले के पास ही है। टिकैत ने जोर देकर कहा कि असली चोर पाकिस्तान में नहीं बल्कि भारत में ही मौजूद है। टिकैत अपने औछे, घटिया एवं उच्छृंखल बयान के साथ यह उदाहरण भी दिया कि जब गांव में किसी की हत्या होती है, तो पुलिस सबसे पहले उसे पकड़ती है, जिसे जमीन मिलने जैसा फायदा होता है। पाकिस्तान के लिये पानी रोकने के निर्णय पर उनका यह कहना कि पानी पर सभी जीव-जंतुओं का अधिकार है, यह सबको मिलना चाहिए। ऐसा कहकर उन्होंने भारत-विरोधी विचार ही दिया है। बिजनसमैन एवं गांधी परिवार के जवाई रॉबर्ट वाड्रा के पहलगाम हमले पर विचार भले ही चौतरफा आलोचना के बाद बदल गए हैं। लेकिन उन्होंने भी इस आतंकवादी हमले के लिए मोदी सरकार और हिंदुत्व को जिम्मेदार ठहराया था।

राष्ट्रीय हितों पर चोट करने और देश की एकजुटता को प्रभावित करने वाले ये बयान यही नहीं बताते कि राजनीतिक कटुता के चलते नेतागण संवेदनशील मामलों में भी बोलते समय अपने विवेक का परित्याग कर देते हैं, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर भी पार्टी लाइन की कोई परवाह नहीं रहती। उनके लिये पार्टी देश से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है, जिन भी दलों के नेता पहलगाम की घटना पर अनर्गल बयान दे रहे हैं और जिसके चलते सर्वदलीय बैठक में बनी सहमति आहत हो रही है, उन पर लगाम लगे। पहलगाम आतंकी हमला पहला मौका है, जब विपक्ष 'किसी भी जवाबी कार्रवाई' के लिए मोदी सरकार के साथ खड़ा दिख रहा है। उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक के सुबूत मांगने वाले विपक्ष के रुख में यह बड़ा बदलाव है। सबसे बड़े लोकतंत्र की राजनीति के लिए यह निश्चय ही सकारात्मक संकेत भी है।

संसदीय लोकतंत्र में सरकार बहुमत से बनती है, लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों की भूमिकाएं महत्वपूर्ण रहती हैं। बेशक पहलगाम में सुरक्षा चूक पर जवाब मांगने का राजनीतिक अधिकार विपक्ष को है, क्योंकि चूक तो हुई ही है, लेकिन सहमति के लिए संवाद और समन्वय की प्रक्रिया जारी रहनी जरूरी है।

26 साल का इंतजार और मेहनतकशों के हक में मोहन सरकार

-मनोज कुमार-

कैलेंडर में दर्ज तारीख के हिसाब से हर साल एक मई को दुनिया के साथ हम लोग भी मई दिवस मनाते हैं। मजदूरों के हक-हूकुक की बातें करते हैं और इस दिन के साथ बिसरा देते हैं लेकिन मध्यप्रदेश मई दिवस के लिए 01 मई का इंतजार नहीं करेगा बल्कि हर साल सेलिब्रेट करेगा 25 दिसम्बर को। मोहन सरकार के एक फैसले ने ना केवल मई दिवस की तारीख का अर्थ ही बदल दिया बल्कि हजारों मजदूरों की आँखों से आँसू पोंछ लिए। हजारों मजदूर, 224 करोड़ रुपये और 26 सालों का लम्बा इंतजार। इन सालों में 26 बार मई दिवस आता-जाता रहा लेकिन आने-जाने वाली सरकारों के लिए यह एक आम मुद्दा था। न्याय के लिए बरसों से इंतजार करते करते अनेक मजदूरों की जीवनलीला खत्म हो गई। परिवार तंगहाली और बदहाली में जीता रहा। यहां-वहां से लेकर अदालत के दरवाजे तक इन मजदूरों ने गुहार लगायी लेकिन मामला सिफर रहा। सब कुछ हो रहा था लेकिन नहीं हुआ तो मजदूरों के हक में फैसला। करीब-करीब डेढ़ वर्ष पहले मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री का परिवर्तन होता है और शिवराजसिंह चौहान के स्थान पर डॉ. मोहन यादव नए मुख्यमंत्री बनते हैं।

कभी शिवराजसिंह चौहान मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री का प्रभार सम्हालने वाले डॉ. यादव से भी कोई बड़ी उम्मीद सालों से अपनी मजदूरी पाने के लिए लड़ते मजदूरों को नहीं थी। लेकिन समय का लेखा कौन जानता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अचानक से फैसला लिया और 26 सालों से अटकी उनकी मजदूरी का फैसला चंद मिनटों में कर दिया। डॉ. यादव के इस फैसले ने मोहन सरकार के प्रति लोगों में विश्वास का भाग जगा दिया। इसी के साथ 25 दिसम्बर, 2023 एक अमिट तारीख के रूप में मध्यप्रदेश के कैलेंडर में दर्ज हो गया है। मामला मालवा की कभी शान और इंदौर की पहचान रही हुकमचंद कपड़ा मिल के बंद हो जाने के बाद बेकार और बेबस हुए मजदूरों का है। साल-दर-साल गुजरता रहा और सब कुछ स्याह अंधेरे में कैद रहा। अदालत ने आदेश दिया कि हुकमचंद कपड़ा मिल के मालिकाना हक की जमीन को बेच कर मजदूरों की मजदूरी का भुगतान किया जाए। अनेक कोशिशों के बाद भी जमीन कौड़ी के मोल पड़ी रही। कोई खरीददार सामने नहीं आया और ना ही पूर्ववर्ती सरकारों ने कोई ठोस फैसला लिया। निराशा में डूबते-उतरते हजारों मजदूरों को लग रहा था कि अब उन्हें न्याय नहीं मिलने वाला लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मोहन सरकार ने फैसला लिया और चंद मिनटों में सभी मजदूरों को उनका बकाया मजदूरी, ग्रेज्युटी और दीगर भुगतान देने का रास्ता साफ कर दिया।

मोहन सरकार का यह फैसला चौंकाने वाला था लेकिन था जनहित का फैसला। मालवा की तासीर ही कुछ अलग किस्म की है और उज्जैन से आने वाले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तासीर भी मालवा की तरह ही है। वे स्वयं एक ऐसे परिवार से आते हैं, जिन्होंने मजदूरों का दर्द देखा है सो मुख्यमंत्री की नजर से नहीं बल्कि मनुष्य की नजर से उन्होंने इस मामले को देखा। देखा और समझा तो उन्होंने पहले भी था लेकिन मामला उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं था, सो खामोश रहे लेकिन सत्ता की बागडोर सम्हालते ही किसी और के अप्रोच किए बिना ही स्वयं संज्ञान लेकर मजदूरों की झोली में खुशी का फैसला डाल दिया। मोहन सरकार के इस फैसले से जैसे मालवा और खासतौर पर इंदौर झूम उठा। इंदौर का मस्तिष्क शान से और गर्व से भर उठा।

26 साल पहले हुकमचंद मिल बंद हुई थी। इसके बाद से मिल के पांच हजार से ज्यादा मजदूर वेतन, ग्रेच्युटी और अन्य लेनदारियों के लिए भटक रहे हैं। कोर्ट ने मिल की जमीन बेचकर मजदूरों का भुगतान करने का आदेश दिया था। कई बार नीलामी निकालने के बावजूद जमीन नहीं बिकी। हुकमचंद कपड़ा मिल के मामले में मोहन सरकार का यह फैसला दूरदर्शी था। अदालत के आदेश के बाद भी हुकमचंद कपड़ा मिल की जमीन ना बिक पाने पर उन्होंने सरकार के हक में लेकर नगर निगम इंदौर को सौंप दिया। अब इस जमीन पर आवासीय और व्यवसायिक गतिविधियां शुरू हो रही है। मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल को यह जमीन सौंप कर जिम्मेदारी दी गई है कि आवासीय और व्यवसायिक गतिविधियां शुरू की जाए। सरकार ने मिल की जमीन का लैंड यूज औद्योगिक से बदलकर वाणिज्यिक और आवासीय कर दिया है। मिल की कुल जमीन में से 10.768 हेक्टेयर जमीन का लैंड यूज वाणिज्यिक और 6.752 हेक्टेयर जमीन का लैंड यूज आवासीय किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि मध्यप्रदेश में जिन अन्य मिलों की देनदारियां शेष हैं, उन मिलों के प्रकरणों का निराकरण भी हुकुमचंद मिल के मॉडल के आधार पर कर मजदूरों को राहत दी जाए। यह एक सत्ताधीश का फैसला नहीं है औ ना ही इसे राजनीतिक चश्मे से देखा जाना चाहिए। यह एक मनुष्य का मनुष्य के लिए लिया गया फैसला है जिसे मानव कल्याण के रूप में देखा और समझा जाना चाहिए। जैसा कि डॉ. मोहन यादव के निर्देश हैं कि अन्य मिलों की देनदारियों को इसे ही मॉडल मानकर निपटारा किया जाए तो यह फैसले मध्यप्रदेश का ऐतिहासिक फैसला माना जाएगा।

एक समय था जब बड़े मजदूर संगठन हुआ करते थे। मजदूरों के हक के लिए वे सडकों पर उतर आते थे। कई बार उनकी मांगों को मान लिया जाता था तो कई बार ठुकरा दिया जाता था। धीरे-धीरे श्रमिक संगठन विलुप्त होते गए। मजदूर खुद के हक की लड़ाई खुद ही लड़ते रहे। मई दिवस का ताप समाप्त होता रहा और शायद यही कारण है कि 26 सालों से हुकुमचंद मिल के मजदूरों को उनका हक नहीं मिल पाया था। अभी और भी ऐसे मिल शेष हैं जिनके मामले निपटाया जाना है। अब श्रमिक संगठन कागज पर हैं और वे जमीन पर होते तो शायद हुकुमचंद मिल के श्रमिकों को 26 साल का इंतजार नहीं करना होता। खैर, अब मध्यप्रदेश के मेहनतकशों को श्रमिक संगठनों की जरूरत नहीं पड़ेगी जब सरकार ही उनके हक में फैसला ले रही है। शायद 1956 में मध्यप्रदेश की स्थापना के बाद मेहनतकशों के हक में ऐसा फैसला पहली बार किसी ने लिया है तो इसके लिए मोहन सरकार के हक में जाता है। मध्यप्रदेश अब गर्व से मई दिवस सेलिब्रेट करेगा।

लोक गायिका, शिक्षिका पर भी एफआईआर!

-शकील अख्तर-

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव तो सवाल भी लगातार पूछ रहे हैं। और पत्रकार संजय शर्मा के यूट्यूब चैनल 4 पीएम बंद करने एवं लोक गायिका नेहा सिंह राठौड़ और लखनऊ विश्वविध्यालय की शिक्षिका डा. मेडूसा के खिलाफ एफआईआर करने का जबर्दस्त विरोध भी कर रहे हैं। समय माना बहुत खराब है। मगर विपक्ष लोगों में हिम्मत जगा रहा है। ह्व यह टेस्ट केस है। ग्वालियर के शायर शमीम फरहत साहब ने कहा था तय लोगों को करना है कि डर के सो जाएं या औरों को जगा लें हम लोग!

कांग्रेस को, इन्दिरा गांधी को और राजीव गांधी को भी प्रेस की आजादी तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बहुत घेरा जाता है। मगर आज जब एक लोक गायिका नेहा सिंह राठौड़, एक विश्वविद्यालय शिक्षक डा. मेडूसा पर सवाल पूछने पर एफआईआर दर्ज कर ली जाती हैं और पत्रकार संजय शर्मा के बहुत चलने वाले यू ट्यूब चैनल 4 पीएम का प्रसारण रोक दिया जाता है तो इसे ले कर मीडिया में वैसी खबरें, जुलूस, प्रदर्शन कहीं दिखाई नहीं देते जैसे इन्दिरा और राजीव के खिलाफ होते थे।

हमने लिखा इन्दिरा गांधी के खिलाफ। और तथ्य यह है कि जिसके लिए इंदिरा गांधी के खिलाफ पत्रकार सड़कों पर उतरे थे वह विधेयक इंदिरा गांधी लाई ही नहीं थीं। वह विधेयक जुलाई 1982 में बिहार में आया था। और उस समय के मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्रा लाए थे। बिहार प्रेस विधेयक के नाम से। लेकिन पूरे देश में इसे प्रेस की आजादी पर हमला बताते हुए प्रदर्शन हुए इन्दिरा के खिलाफ नारे लगे थे। और बता दें कि उस समय इन्दिरा गांधी अपने सबसे बड़े बहुमत में थी। मगर उन्होंने अपने मुख्यमंत्री से कहा और बिल वापस हुआ।

1988 में राजीव गांधी मानहानि विधेयक लाए थे। पत्रकार मुंह पर काली पट्टी बांधकर फिर सड़कों पर आए। और संसद से पास विधेयक को राजीव ने वापस लिया। और उस समय राजीव के पास आज तक का सबसे बड़ा बहुमत था। 404 सीटें। जो मोदीजी के लिए एक बड़ी हसरत थी। कहते थे चार सौ पार। मगर कांग्रेस के लिए हकीकत थी। और जिस बिहार प्रेस विधेयक को इन्दिरा ने वापस करवाया उस समय इनके पास 353 सीटें थी। कांग्रेस, इन्दिरा, राजीव और राहुल गांधी को भी हमेशा नकारात्मक छवि से घेरा जाता है।

लेकिन संविधान, संवैधानिक संस्थाएं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता इन सारे मुद्दों पर कांग्रेस हमेशा जन भावनाओं को समझने और उसके अनुरूप काम करने, खुद को बदलने की कोशिश करती रही। लोग यहां फौरन एक इमरजेन्सी की बात जरूर करेंगे। पचास साल पुरानी बात की। आज की नहीं। बहुत लिखा गया है इस पर। खुद इन्दिरा गांधी ने माफी मांग लो थी। और दूसरी बात जो जरूरी है कि वह संवैधानिक रूप से लगाई गई थी। आज की तरह मनमाने रूप से मीडिया और अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश नहीं।

लेकिन आज असहमति का जरा सा भी स्वर बर्दाश्त नहीं। इस पर आगे लिखेंगे। मगर एक बात यहां याद आ गई तो पहले वह लिख दें कि असहमति तो बर्दाश्त है ही नहीं मगर जो वाहवाही में लगे हैं उन पर भी ऐसा दबाव के तारीफ के पुल और बांधों। गोदी मीडिया के एंकर और पत्रकारों में तुलना करने लगे हैं कि वह ऊपर जा रहा है, वह कमजोर पड़ रहा है। शब्दों की बेचारों की अपनी सीमाएं हैं! कहां तक तारीफ करें। तो फिर विपक्ष के नेताओं के चरित्र हनन में सारी ताकत लगा देते हैं। विपक्ष के नेताओं का अपमान भी उनका सत्ता पक्ष का सम्मान माना जाता है!

तो खुद असहमति बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं। मीडिया अपने सबसे कठिन दौर में। क्या कभी इससे पहले मीडिया को सरकार का ऐसा पक्ष लेते देखा था? मजेदार उदाहरण है काले कृषि कानूनों का। प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल बिल वापस लिए किसानों से माफी मांगी। मीडिया के लिए यह बहुत धक्का था। वह इन कानूनों के समर्थन में इतना आगे आ गई थी कि किसानों को आतंकवादी, खालिस्तानी, मवाली जाने क्या क्या कहने लगी थी। सोचती थी साहब खुश होगा इनाम देगा। मगर साहब ने बिल ही वापस ले लिए। और बिना शर्त माफी मांग ली। बहुत तकलीफ हुई मीडिया को। मुंह से यहां तक निकल गया कि हमारे साथ धोखा हुआ।

लेकिन मजबूरी है। उसे हर हाल में मोदी का समर्थन करना है। वह अपनी निष्पक्षता, निर्भिकता, आम जनता के प्रति जिम्मेदारी भला बुरा सब भूल गई है। एक डर उसके मन में समा गया है कि अगर मोदी की जय जयकार नहीं की तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा।

लेकिन सब तो डर के शिकंजे में आए नहीं। जैसा उपर बताया उस समय 1982 में 353 के बहुमत वाली इन्दिरा गांधी के विरोध में सड़कों पर आए। 404 के आज तक नहीं टूटे रिकार्ड वाले राजीव गांधी के खिलाफ 1988 में आए। और एक बात यहां बता दें कि 1974 - 75 के आन्दोलन को जो छात्र युवा उस समय भी राजनीति से प्रेरित मानते थे और उसके पीछे कि इन्दिरा, कांग्रेस विरोध की राजनीति को समझते थे वे जयप्रकाश के आन्दोलन के साथ तो नहीं आए मगर इमरजेन्सी लगने के बाद जेल चले गए अपने साथियों से जेल जाकर मिलते रहे। उनके परिवारों से भी। सैद्धांतिक विरोध था मगर डर नहीं था।

जैसे आज अन्ना आन्दोलन की हकीकत भी सामने आ गई है। वह भी एक राजनीतिक आन्दोलन था। झूठ पर आधारित। टू जी मामला खत्म हो गया। कुछ नहीं मिला। विनोद राय अदालत में माफी मांग चुके कि उसमें उन्होंने गलत बयानी की थी। कामनवेल्थ गेम मामले में भी ईडी ने मान लिया कुछ नहीं था। मगर इन्हीं झूठों पर पहले दिल्ली की शीला दीक्षित सरकार और फिर केन्द्र की मनमोहन सिंह सरकार को हटा दिया गया। ऐसे ही जयप्रकाश का आन्दोलन था। दो साल में ही युवाओं का मोहभंग हो गया।

यह सारे घटनाक्रम देश में चलते रहे। अंग्रेजों का राज भी रहा। मगर जैसा डर का आज माहौल बनाया गया है वैसा कभी नहीं रहा। और यह स्थिति तब है जब मोदी जी के पास लोकसभा में खुद का बहुमत भी नहीं है। केवल 240 सीटें हैं। लेकिन जो डर कभी 353 वाली इन्दिरा गांधी, 404 वाले राजीव गांधी ने नहीं बनाया वह आज दूसरी पार्टियों की बैसाखियों पर टिकी मोदी सरकार ने बना दिया।

मगर क्या सब डर जाएंगे? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तो नहीं डर रहे। उसी हिम्मत के साथ खड़े हैं। इस समय सवाल जरूर नहीं पूछ रहे। क्योंकि बहुत बड़ी त्रासदी हुई है। 26 लोगों को आतंकवादियों ने मारा है। वे उस जगह पहलगाम गए। अस्पताल में घायलों से मिले। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव तो सवाल भी लगातार पूछ रहे हैं। और पत्रकार संजय शर्मा के यूट्यूब चैनल 4 पीएम बंद करने एवं लोक गायिका नेहा सिंह राठौड़ और लखनऊ विश्वविध्यालय की शिक्षिका डा. मेडूसा के खिलाफ एफआईआर करने का जबर्दस्त विरोध भी कर रहे हैं।

समय माना बहुत खराब है। मगर विपक्ष लोगों में हिम्मत जगा रहा है। सुप्रीम कोर्ट से भी लोगों की उम्मीदें बनी हुई हैं। और मीडिया एक हिस्सा भी कलम छोड़ने को तैयार नहीं है। प्रिंट में चाहे कम आ रहा हो मगर लोग लिख रहे हैं। कुछ अखबार चाहे छोटे हों मगर सवाल उठा रहे हैं। इलेक्ट्रोनिक में यू ट्यूब चैनल बहुत दम से सरकार को आइना दिखा रहे हैं। और खास तौर से सोशल मीडिया जहां जनता खुद पत्रकारिता कर रही है वह कोई बात छिपने नहीं दे रहा। हर मोबाइल में कैमरा है। ट्विटर फेसबुक है। हर चीज वहां आ जाती है।

लोकतंत्र में यह जरूरी है। जनता के सूचना का अधिकार। सरकार इसे ही दबाना चाहती है। इसके खिलाफ आवाज उठाना होगी। क्योंकि अगर इस पहले दौर जिसमें एक चैनल, एक लोकगायिक, एक विश्वविद्यालय शिक्षिका की आवाज दबा दी तो फि? ज्यादा दौर नहीं चलाए जाएंगे। नेक्सट राउंड सैंकड एंड लास्ट में ही सब के खिलाफ मामले मुकदमे प्रतिबंध हो जाएंगे। यह टेस्ट केस है। इसका सफल होना लोकतंत्र के कुचल देगा।

एक नजर

अमेरिका में बुजुर्ग से धोखाधड़ी के मामले में दो भारतीय छात्र गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। अमेरिका में छात्र वीजा पर रह रहे दो भारतीय नागरिकों को एक बुजुर्ग व्यक्ति से धोखाधड़ी और चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एल पासो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि महम्मदिलहम वाहोरा और हाजीअली वाहोरा को इस महीने एल पासो काउंटी जेल भेज दिया गया। दोनों आरोपियों की उम्र 24 वर्ष है। बयान के मुताबिक, दोनों से अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों में लोगों से धोखाधड़ी की घटनाओं में शामिल होने के लिए पूछताछ की जानी है। दोनों आरोपियों पर उम्र दराज लोगों को निशाना बनाकर अपराध को अंजाम देने का आरोप है। इन आरोपों में डकैती और चोरी के साथ-साथ अवैध निवेश से जुड़े धन शोधन का आरोप भी शामिल है। दोनों भारतीय छात्र शिकागो, इलिनोइस में 'ईस्ट-वेस्ट यूनिवर्सिटी' में पढ़ते हैं। शेरिफ कार्यालय के क्षेत्रीय संचार केंद्र को अक्टूबर 2024 में एक बुजुर्ग नागरिक से सूचना मिली, जिसने बताया कि वे एक धोखाधड़ी वाले फोन कॉल का शिकार हुए हैं। पीड़ित ने कहा कि जालसाजों ने 'सरकारी एजेंट' होने का दावा किया और उन्हें कई बार धमकियां दीं। अक्टूबर 2024 में शेरिफ कार्यालय के क्षेत्रीय संचार केंद्र को एक बुजुर्ग नागरिक से शिकायत मिली थी कि वह फोन कॉल के जरिये धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि जालसाज ने खुद को 'सरकारी एजेंट' बताया और उन्हें कई बार धमकाया भी। नतीजतन, पीड़ित ने एक क्रिप्टोकरेंसी एटीएम के माध्यम से पैसे भेजे और सोना खरीदा, जिसे संदिग्धों को व्यक्तिगत रूप से दिया गया। अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू की और सेलफोन टावर रिकॉर्ड ट्रेसिंग के माध्यम से हाजीअली और महम्मदिलहम की पहचान कर उन्हें धर दबोचा।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने 10 आतंकवादियों को मार गिराया

कराची। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने देश के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग स्थानों पर 10 आतंकवादियों को मार गिराया है। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रांत में की गई ताजा कार्रवाई के दौरान केच और जियारत जिलों में आतंकवादी मारे गए। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, जिलों में अलग-अलग खुफिया-आधारित अभियानों (आईबीओ) के दौरान आतंकवादियों को मार गिराया गया। जानकारी के अनुसार, केच जिले के तुरबत के पास एक अभियान के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए। इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया गया था। आईएसपीआर ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों और सशस्त्र आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। बयान के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया, जिनके बारे में आईएसपीआर ने कहा कि ये हथियार सुरक्षा बलों के खिलाफ किए गए कई हमलों और नागरिकों की हत्या में शामिल थे। इसके अलावा एक अलग घटना में सुरक्षा बलों ने जियारत जिले के चोटिर इलाके में खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान सात आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान छोटेर और संजीवी इलाकों के बीच हुआ, जहां इलाके में छिपे हथियारबंद आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। जियारत के उपायुक्त जकाउल्लाह दुर्रानी ने मौतों की पुष्टि की और कहा कि सुरक्षाकर्मियों द्वारा सात शवों को जिला मुख्यालय अस्पताल, जियारत पहुंचाया गया है।

चीन के शांजी प्रांत में आवासीय क्षेत्र में विस्फोट, 17 लोग घायल

बीजिंग। चीन के शांजी प्रांत में बुधवार को एक आवासीय परिसर में हुए विस्फोट में कम से कम 17 लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से चार की हालत गंभीर है और तीन को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। यह विस्फोट शांजी प्रांत की राजधानी ताइयुआन के शियाओडियन जिले के बेयिंग इलाके में स्थानीय समयानुसार अपराह्न करीब एक बजे हुआ। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि विस्फोट के कारण लगी आग को बुझा दिया गया है। इस विस्फोट के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि बचाव दल के कर्मी प्रभावित इमारत में घर-घर जाकर सुरक्षा जांच कर रहे हैं और विस्फोट के कारणों की जांच चल रही है। यह घटना मंगलवार को लियाओनिंग प्रांत के लियाओयांग शहर में एक रेस्तरां में आग लगने से 22 लोगों की मौत की घटना के एक दिन बाद हुई। यह इस महीने चीन में आग लगने की दूसरी बड़ी घटना थी। नौ अप्रैल को उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 बुजुर्गों की मौत हो गई थी।

पीएम मोदी 9 मई के विजय दिवस समारोह में नहीं होंगे शामिल- रूस

मॉस्को। रूस ने बुधवार को पुष्टि की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 मई को मॉस्को में होने वाले विजय दिवस समारोह में शामिल नहीं होंगे। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, भारत के नेता नहीं आएंगेज भारत का प्रतिनिधित्व होगा, लेकिन उच्चतम स्तर पर नहीं। पेसकोव ने यह जानकारी भी दी कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग मॉस्को की यात्रा करेंगे। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने मॉस्को में मीडिया से बात करते हुए कहा, शी जिनपिंग का एक अलग दौरा होगा, जिसे हम बहुत महत्व देते हैं और इसकी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बड़ी संख्या में विदेशी प्रतिनिधि विजय दिवस की 80वीं वर्षगांठ में भाग लेंगे। इस महीने की शुरुआत में विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री मोदी को समारोह में भाग लेने के लिए निमंत्रण मिला है। हालांकि, रूसी मीडिया ने दावा किया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अगले महीने होने वाले समारोह में शामिल हो सकते हैं।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने भारत सरकार के सूत्रों के हवाले से बताया कि सिंह का परेड के लिए मॉस्को आना संभव है। रिपोर्ट में यह भी संकेत दिया गया कि रेड स्क्वायर पर होने वाली परेड में भारतीय सशस्त्र बलों की एक औपचारिक टुकड़ी की भागीदारी पर भी बातचीत जारी है। रूस में विजय दिवस हर वर्ष 9 मई को मनाया जा है। इस दिन मॉस्को में विजय दिवस परेड आयोजित की जाती है। यह रूस के सबसे महत्वपूर्ण राजकीय समारोहों में से एक है, जो दूसरे विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत सेना की जीत की याद में मनाया जाता है। इस साल का आयोजन विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह यूरोप में युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ है। पुतिन ने इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी को मई 2020 में महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध में विजय की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर मॉस्को में आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। इससे पहले क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर रूसी राष्ट्रपति की 2025 की शुरुआत में भारत आने की उम्मीद है। यह यात्रा दोनों नेताओं के बीच वार्षिक बैठकों के लिए प्रतिबद्धता के भाग के रूप में होगी। रूसी राष्ट्रपति की पिछली भारत यात्रा 6 दिसंबर, 2021 को नई दिल्ली में 21वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। इस बीच, पीएम मोदी ने पिछले साल रूस की दो हाई-प्रोफाइल यात्राएं कीं, जुलाई में 22वें रूस-भारत शिखर सम्मेलन में भाग लिया और बाद में अक्टूबर में कजान में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

चिन्मय कृष्ण दास को जमानत, क्या जेल से हो पाएगी रिहाई?

ढाका। बांग्लादेश की अदालत ने बुधवार को हिंदू संत चंदन कुमार धर उर्फ चिन्मय कृष्ण दास को देशद्रोह के एक मामले में जमानत दे दी। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। चिन्मय के वकील प्रोलाद देब नाथ ने 'द डेली स्टार' को बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद उनके जेल से रिहा होने की उम्मीद है। अगर सुप्रीम कोर्ट इस फैसले पर रोक नहीं लगाता है तो चिन्मय दास को रिहा कर दिया जाएगा। जस्टिस मोहम्मद अताउर रहमान और जस्टिस मोहम्मद अली रजा की पीठ ने चिन्मय की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया।

रिपोर्ट के मुताबिक 23 अप्रैल को चिन्मय के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने उच्च न्यायालय की पीठ से अपने मुवक्किल को जमानत देने की प्रार्थना करते हुए कहा कि चिन्मय बीमार हैं और बिना सुनवाई के जेल में कष्ट झेल रहे हैं। पिछले साल 31 अक्टूबर को चटगांव के मोहोरा वार्ड बीएनपी के पूर्व महासचिव फिरोज खान ने कोतवाली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया था। इसमें चिन्मय और 18 अन्य पर बंदरगाह शहर के न्यू मार्केट इलाके में 25 अक्टूबर को हिंदू समुदाय की एक रैली के दौरान राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप लगाया गया। 26 नवंबर को चटगांव की एक अदालत ने चिन्मय को जेल भेज दिया, इससे एक दिन पहले राजधानी में उनकी गिरफ्तारी के बाद उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। दास की गिरफ्तारी से व्यापक आक्रोश फैल गया था, कई लोगों ने उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। दास बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए काम करने वालों में शामिल रहे हैं। वे बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के मुखर समर्थक रहे हैं, उन्होंने अल्पसंख्यक संरक्षण कानून, अल्पसंख्यक उत्पीड़न के मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए न्यायाधिकरण और अल्पसंख्यक मामलों के लिए समर्पित मंत्रालय की स्थापना जैसे प्रमुख सुधारों की मांग की है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर यह आरोप लगता रहा है कि वह धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा देने में नाकाम रही है। पिछले साल अगस्त में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से देश में धार्मिक अल्पसंख्यक निशाने पर आ गए। भारत ने इस संबंध में बार-बार अपनी चिंता ढाका के साथ साझा की है। नई दिल्ली का कहना है कि अंतरिम सरकार को सभी अल्पसंख्यकों की अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

रूस के लिए लड़ते हुए लगभग 4,700 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं: द.कोरिया का दावा

सियोल। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने बुधवार को सांसदों को बताया कि अनुमान है कि रूस के साथ मिलकर यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ते हुए उत्तर कोरिया के 4,700 सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के इस आकलन से दो दिन पहले उत्तर कोरिया ने पहली बार पुष्टि की थी कि उसने रूस को कुर्स्क क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर फिर से कब्जा करने में मदद करने के लिए अपने लड़ाकू सैनिकों को भेजा था, जिस पर पिछले साल अचानक यूक्रेन के घुसपैठ के कारण रूस का नियंत्रण खत्म हो गया था।

बैठक में भाग लेने वाले सांसदों में से एक ली सेओंग क्वेउन के अनुसार, दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने बंद कमरे में संसदीय समिति की बैठक में कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर उत्तर कोरिया के 600 सैनिक मारे गए और 4,700 सैनिक हताहत हुए हैं। ली ने संवाददाताओं को बताया कि एनआईएस ने कहा कि जनवरी और मार्च के बीच घायल 2,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को हवाई मार्ग से या ट्रेन से उत्तर कोरिया वापस भेजा गया। उन्होंने एनआईएस का हवाला देते हुए कहा कि युद्ध में मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों का अंतिम संस्कार रूस में किया गया था, उसके बाद उनके अवशेष वापस घर भेजे गए। एनआईएस ने कहा कि जनवरी में लगभग 300 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए थे और अन्य 2,700 घायल हुए थे। दक्षिण कोरियाई सेना ने पिछले महीने अनुमानित हताहतों की संख्या बढ़ाकर 4,000 कर दी थी। उत्तर कोरिया ने सोमवार को घोषणा की थी कि उसके नेता किम जोंग उन ने "रूसी सशस्त्र बलों के सहयोग से यूक्रेनी नव-नाजी कब्जेदारों को खत्म करने और कुर्स्क क्षेत्र को आजाद कराने के लिए" सैनिकों को भेजने का फैसला किया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बाद में उत्तर कोरिया को धन्यवाद देते हुए एक बयान जारी किया और उत्तर कोरियाई सैनिकों के बलिदान को नहीं भूलने का वादा किया।

मॉस्को-कीव संघर्ष पर अमेरिका के साथ शांति योजना को लेकर चर्चा अभी जारी: रूसी राजनयिक

मॉस्को। संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेन्ज्या ने कहा कि रूस और अमेरिका ने अभी तक शांति योजना की बारीकियों पर चर्चा नहीं की है। उन्होंने कहा कि दोनों देश यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए अपनी बातचीत जारी रखे हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यूक्रेन के संबंध में बुलाई गई बैठक में नेबेन्ज्या ने कहा रूसी-अमेरिकी वार्ता जारी है और शांति योजना की भावी रूपरेखा के बारे में बहुत सारी बारीकियों पर अभी चर्चा होनी बाकी है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष की जब से शुरुआत हुई है, तब से ही हमारी ओर से यह कहा जा रहा है कि हम सैन्य अभियानों से संबंधित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कूटनीतिक रास्तों को अधिक प्राथमिकता देते हैं, इसलिए रूस दीर्घ अवधि के समाधान पर जोर दे रहा है, ताकि इस मौजूदा संघर्ष को खत्म किया जा सके। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका मिशन के कार्यवाहक प्रतिनिधि जॉन केली ने कहा कि रूस के पास अभी यूक्रेन में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए अवसर हैं और अमेरिका इस शांति की स्थापना के लिए मॉस्को और कीव को पूरा समर्थन देने के लिए तैयार है।

केली ने कहा कि अगर रूस और यूक्रेन अमेरिका के शांति प्रस्ताव को स्वीकार कर लेते हैं, तो निश्चित तौर पर यह दोनों ही देशों के लिए हितकारी साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस कदम से दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इससे पहले, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बात की थी। दोनों ही विदेश मंत्रियों ने इस बात पर जोर दिया था कि बातचीत के लिए परिस्थिति को अनुकूल बनाने की बात कही थी। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अगले महीने विजय दिवस समारोह के मद्देनजर यूक्रेन में 72 घंटे के युद्धविराम की घोषणा की। क्रेमलिन ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, रूसी संघ के राष्ट्रपति, सशस्त्र बलों के सुप्रीम कमांडर-इन-चीफ वी.वी. पुतिन के आदेश से विजय की 80वीं वर्षगांठ के दिनों के दौरान, [7-8 मई की मध्यरात्रि से 10-11 मई की मध्यरात्रि तक], रूसी पक्ष युद्धविराम की घोषणा करता है। इस अवधि के लिए सभी सैन्य कार्रवाइयां निलंबित की जाती हैं। इसमें कहा गया, रूस का मानना है कि यूक्रेनी पक्ष को इस उदाहरण का अनुसरण करना चाहिए। यूक्रेनी पक्ष की तरफ से युद्धविराम का उल्लंघन होने पर रूसी सशस्त्र बल पर्याप्त और प्रभावी प्रतिक्रिया देंगे। रूसी पक्ष एक बार फिर बिना किसी पूर्व शर्त के शांति वार्ता के लिए अपनी तत्परता की घोषणा करता है, जिसका उद्देश्य यूक्रेनी संकट के मूल कारणों को खत्म करना और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ रचनात्मक बातचीत करना है। रूस में विजय दिवस हर वर्ष 9 मई को मनाया जा है। इस दिन मॉस्को में विजय दिवस परेड आयोजित की जाती है। यह रूस के सबसे महत्वपूर्ण राजकीय समारोहों में से एक है, जो दूसरे विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत सेना की जीत की याद में मनाया जाता है। इस साल का आयोजन विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह यूरोप में युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ है।

मेटा ने एआई ऐप की शुरुआत की, जुकरबर्ग ने डेवलपर कॉन्फ्रेंस में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ से बातचीत की

कैलिफोर्निया (अमेरिका)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धियों की भीड़ के बीच खुद का अलग मुकाम बनाने और ओपनएआई के चैटजीपीटी के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए मेटा ने एक सोशल मीडिया घटक के साथ एआई ऐप की शुरुआत की है। मेटा एआई ऐप, कंपनी के लामा 4 एआई सिस्टम के साथ बनाया गया है। इसमें एक "डिस्कवर" फीड शामिल है जो उपयोगकर्ताओं को यह जानने की सहूलियत देता है कि दूसरे लोग एआई के साथ कैसे बातचीत कर रहे हैं। इसमें एआई के साथ बातचीत करने के लिए एक 'वॉयस मोड' भी है। फॉरेस्टर के शोध निदेशक माइक प्रोलक्स ने कहा, "मेटा के लिए कंपनी की सोशल मीडिया अनुभवों से सीखकर अपने चैटजीपीटी प्रतिस्पर्धी से खुद को अलग साबित करना समझदारी भरा कदम है। ऐप का डिस्कवर फीड ओजी फेसबुक फीड के एक संस्करण की तरह है, लेकिन केवल एआई उपयोग मामलों पर केंद्रित है। उपयोगकर्ताओं को अपने फेसबुक और इंस्टाग्राम खातों को लिंक करने की सुविधा देकर, मेटा एआई ऐप "सोशल मीडिया संदर्भ के साथ अपने उपयोगकर्ता अनुभव को तुरंत वैयक्तिकृत करने में मदद करता है।

मेटा ने अपने कई प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में एआई के लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाया है, इसे एक ओपन-सोर्स उत्पाद के रूप में मुफ्त में जारी किया है। कंपनी का कहना है कि हर महीने एक अरब से ज्यादा लोग उसके एआई उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं। कैलिफोर्निया स्थित प्रौद्योगिकी दिग्गज के मेनलो पार्क स्थित उद्घाटन सम्मेलन, लामाकॉन में मंगलवार को मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने एआई विकास की गति और किस प्रकार यह प्रौद्योगिकी उनकी दोनों कंपनियों जहां एआई पहले से ही कोड लिख रहा है और साथ ही विश्व को बदल रहा है, के बारे में तकनीकी चर्चा में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के साथ बातचीत की। जुकरबर्ग ने माना कि एआई को लेकर काफी 'आशंकाएं' हैं। उन्होंने कहा कि "यदि इससे उत्पादकता में भारी वृद्धि होगी, तो इसका असर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी दिखना चाहिए।" जुकरबर्ग ने कहा कि इस काम को पूरा होने में कई वर्ष लगेंगे। नडेला ने बिजली के आगमन का जिक्र करते हुए कहा कि "एआई में संभावनाएं हैं, लेकिन अब आपको वास्तव में इसे उत्पादकता में वास्तविक बदलाव लाने के लिए तैयार करना होगा ङ्क और इसके लिए सॉफ्टवेयर और प्रबंधन में बदलाव की भी आवश्यकता है, है न? क्योंकि कुछ मायनों में, लोगों को इसके साथ अलग तरीके से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि लोगों को यह समझने में 50 साल लग गए कि कारखानों को बिजली से कैसे संचालित किया जाए। ज़ुकरबर्ग ने जवाब दिया, हम सभी इस तरह निवेश कर रहे हैं जिससे कि इसमें 50 साल नहीं लगे, इसलिए मुझे उम्मीद है कि इसमें 50 साल नहीं लगेंगे।

बीजिंग का श्वेतपत्र में दावा- कोविड-19 का वायरस चीन से पहले अमेरिका में उभरा

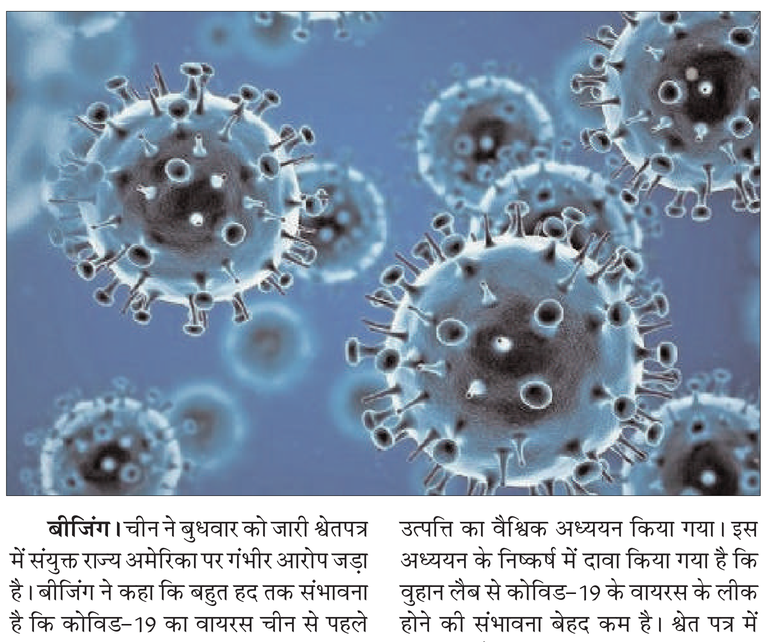

बीजिंग। चीन ने बुधवार को जारी श्वेतपत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका पर गंभीर आरोप जड़ा है। बीजिंग ने कहा कि बहुत हद तक संभावना है कि कोविड-19 का वायरस चीन से पहले अमेरिका में उभरा। वाशिंगटन को अब इस बारे में दुनिया को जवाब देना चाहिए।

चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार चीन के राज्य परिषद सूचना कार्यालय ने बुधवार को %कोविड-19 रोकथाम, नियंत्रण और उत्पत्ति का पता लगाना- चीन की कार्रवाई और रुख% शीर्षक से एक श्वेत पत्र जारी किया है। श्वेत पत्र में कहा गया कि कोविड-19 के प्रकोप के बाद चीन ने वायरस की उत्पत्ति के बारे में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की मदद अध्ययन किया। पूरी पारदर्शिता के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ मिलकर काम किया। इस दौरान सार्स-कोव-2 वायरस की उत्पत्ति का वैश्विक अध्ययन किया गया। इस अध्ययन के निष्कर्ष में दावा किया गया है कि वुहान लैब से कोविड-19 के वायरस के लीक होने की संभावना बेहद कम है। श्वेत पत्र में कहा गया है कि अमेरिकी सरकार ने कोविड-19 के जवाब में अपनी विफलता का सामना करने और अपनी कमियों पर विचार करने के बजाय वायरस की उत्पत्ति का आरोप चीन पर मढ़कर दुनिया का ध्यान भटकाने की कोशिश की। अनुसंधान के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों से पता चलता है कि कोविड-19 संयुक्त राज्य अमेरिका में आधिकारिक तौर पर दावा किए गए समय से पहले और चीन में प्रकोप से पहले उभरा हो सकता है। अब संयुक्त राज्य अमेरिका में वायरस की उत्पत्ति की गहन और गहराई से जांच की जानी चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय समुदाय की उचित चिंता का जवाब देना चाहिए।

टायर बनाने वाली कंपनी का घट गया प्रॉफिट

बावजूद हर शेयर पर 30 डिविडेंड देने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। टायर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी सिएट ने आज मंगलवार को अपने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए। मार्च तिमाही में टायर कंपनी का नेट प्रॉफिट 3 प्रतिशत घटकर 99 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 102 करोड़ रुपये रहा था। इसके अलावा, कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि उसके बोर्ड मेंबर ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रति शेयर 30 रुपये (300 प्रतिशत) का डिविडेंड देने की सिफारिश की है।

क्या है डिटेल

सिएट लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि चौथी तिमाही में परिचालन से होने वाली आय बढ़कर 3,421 करोड़ रुपये हो गयी, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,992 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत घटकर 471 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले यह 635 करोड़ रुपये था। आलोच्य वित्त वर्ष में परिचालन आय बढ़कर 13,218 करोड़ रुपये हो गयी, जो एक साल पहले 11,943 करोड़ रुपये थी।

शेयरों के हाल- सिएट के शेयर आज मंगलवार को मामूली तेजी के साथ 3,066 रुपये पर बंद हुए। इस साल अब तक यह शेयर 5 प्रतिशत तक टूट गए। महीनेभर में यह शेयर 6 प्रतिशत और छह महीने में 11 प्रतिशत तक चढ़ गए। सालभर में यह शेयर 22 प्रतिशत तक चढ़ गए। कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 3,581.45 रुपये और 52 वीक लो प्राइस 2,211 रुपये है। इसका मार्केट कैप 12,383.39 करोड़ रुपये है।

भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में जोरदार बढ़ोतरी

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक व्यापार तनाव कम होने के बीच विदेशी निवेशकों के नए प्रवाह से मार्च के मध्य में शुरू हुई बाजार में तेज तेजी के बाद भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी की संपत्ति एक बार फिर 100 अरब डॉलर को पार कर

गई है. ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार इस अवधि के दौरान अंबानी सबसे बड़े लाभार्थी के रूप में उभरे उनकी कुल संपति मार्च के निम्नतम स्तर 81 बिलियन डॉलर से लगभग 20 बिलियन डॉलर बढ़कर 100 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई. इस उछाल ने उन्हें दुनिया भर के शीर्ष 16 सबसे धनी लोगों में शामिल कर दिया है. भारतीय बाजारों में उल्लेखनीय सुधार के बाद 4 मार्च को उनकी संपत्ति घटकर 81 बिलियन डॉलर रह गई.

भारत-पाकिस्तान के बॉर्डर हुए बंद तो केसर के दाम में लगी आग

5 लाख रुपये किलो पहुंचा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बॉर्डर बंद होने से केसर की कीमतों में भारी तेजी आई है। टॉप क्वालिटी के केसर के दाम पिछले चार दिनों में 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गए हैं। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक अब ये लगभग 5 लाख प्रति किलोग्राम हो गया है। इसकी वजह है अटारी-वाघा बॉर्डर का बंद होना। इस बॉर्डर के बंद होने से अफगानिस्तान से केसर की सप्लाई रुक गई है। केसर दुनिया का सबसे महंगा मसाला है। भारत में केसर की सालाना मांग लगभग 55 टन है। इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, कश्मीर में 6-7 टन केसर का उत्पादन होता है। बाकी केसर अफगानिस्तान और ईरान से आयात किया जाता है। ईरानी केसर भी महंगा हो गया है। इसकी कीमत में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

एक किलो केसर की कीमत 50 ग्राम सोने के बराबर है। अटारी-वाघा बॉर्डर बंद होने से केसर की कीमत में उछाल आई है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सरकार ने अटारी-वाघा बॉर्डर को बंद कर दिया है। ये बॉर्डर पाकिस्तान के साथ व्यापार का एकमात्र रास्ता था। चेन्नई की बेल केसर कंपनी के को-फाउंडर नीलेश मेहता ने कहा कि पहलगाम में हमले से पहले सबसे अच्छी क्वालिटी के केसर की कीमत 4.25 लाख से 4.50 लाख प्रति किलोग्राम थी। ये कंपनी कश्मीर से केसर खरीदती है और उसे देश के बाकी हिस्सों में बेचती है। उन्होंने बताया कि ईरानी केसर, कश्मीरी केसर से सस्ता होता है।

दक्षिण और पश्चिमी भारत में केसर की मांग अब भी बनी हुई है। लेकिन उत्तरी भारत के खरीदार पीछे हट रहे हैं। केसर उगाने वालों का कहना है कि उन्हें उत्तरी भारत से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कई खरीदार अब केसर नहीं खरीद रहे हैं। पंपोर स्थित रिटेज एग्रो फार्म्स के मालिक फिरोज अहमद ने कहा कि हमें उत्तरी भारत से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। हमारे कई खरीदार पीछे हट रहे हैं। फिरोज अहमद की कंपनी केसर और सूखे मेवे उगाती है। पुलवामा स्थित मीर कश्मीर केसर के मालिक उमर मुख्तार भी इसी बात से सहमत हैं। भारत में केसर का ज्यादातर इस्तेमाल मिठाई बनाने वाले करते हैं। अहमद ने बताया कि मई और जून में शादियों की वजह से काफी काम होता है। इस दौरान केसर की मांग बढ़ जाती है क्योंकि इसका इस्तेमाल मिठाई और दूसरी डिशेज में होता है।

जम्मू और कश्मीर के कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक (एक्सटेंशन) सरताज अहमद शाह ने कहा कि इंडिया इंटरनेशनल कश्मीर केसर ट्रेडिंग सेंटर में केसर 3 लाख प्रति किलोग्राम के थोक भाव पर बिक रहा है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी कीमत है। केसर का उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। केसर उगाने वालों के मुताबिक, मौसम की खराबी की वजह से कश्मीर घाटी में केसर का उत्पादन कम हुआ है।

उत्पादन पर असर

कुछ ट्रेड अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पंपोर में नई सीमेंट फैक्ट्रियां खुलने से केसर का उत्पादन कम हो गया है। उनका कहना है कि केसर के फूल बहुत नाजुक होते हैं। जब उन पर सीमेंट की धूल पड़ती है, तो वे मुरझा जाते हैं। इससे केसर की क्वालिटी और मात्रा दोनों पर असर पड़ता है। पंपोर के अलावा केसर बडगाम और श्रीनगर के बाहरी इलाकों और जम्मू के किश्तवाड़ जिले में भी उगाया जाता है। कश्मीर घाटी में केसर कई तरह का होता है। मोंगरा सबसे गहरा होता है और इसमें खुशबू और स्वाद भरपूर होता है। लाचा किस्म में लाल और पीले रंग के हिस्से होते हैं। जर्दा नाम का केसर फेस पैक और ब्यूटी क्रीम में इस्तेमाल होता है। केसर उगाना और काटना बहुत मेहनत का काम है। एक ग्राम केसर लगभग 160-180 फूलों से निकाला जाता है। केसर की फसल अक्टूबर के मध्य में शुरू होती है और एक महीने में खत्म हो जाती है।

जापान कभी था आर्थिक महाशक्ति, कैलिफार्निया से पिछड़ा ही

भारत से भी पिछड़ने वाला है

नई दिल्ली, एजेंसी। यह बात सन 2004 की है। उस समय दुनिया की आर्थिक महाशक्ति जापान के मुकाबले अमेरिकी स्टेट कैलिफोर्निया की जीडीपी दुनिया महज एक तिहाई थी। दो दशक बाद, अब स्थिति यह है कि कैलिफ़ोर्निया ने जापान को पछाड़ दिया। अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह तो सिर्फ झांकी है। जापान को असली झटका तो इस साल के अंत में मिलेगा, जबकि भारत भी जापान से आगे बढ़ जाएगा। ऐसा अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जताया है।

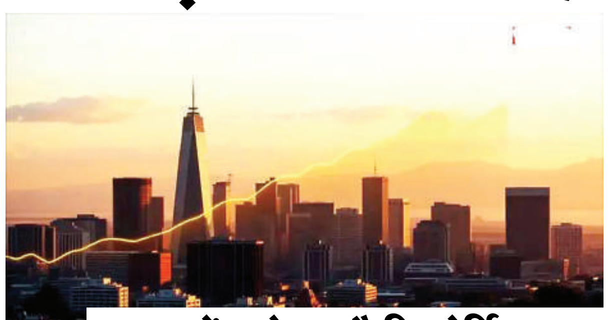

जापान को पछाड़ा कैलिफोर्निया ने

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड और यू.एस. ब्यूरो ऑफ़ इकोनॉमिक एनालिसिस के आंकड़ों से पता चला है कि कैलिफ़ोर्निया का नॉमिनल जीडीपी 4.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। गार्डियन के अनुसार, इसने जापान के 4.02 ट्रिलियन डॉलर के नॉमिनल जीडीपी को पीछे छोड़ दिया है। अब यह राज्य एसए (29.18 ट्रिलियन डॉलर), चीन (18.74 ट्रिलियन डॉलर) और जर्मनी (4.65 ट्रिलियन डॉलर) के बाद चौथे स्थान पर है।

क्यों आगे बढ़ा कैलिफोर्निया

अमेरिकी स्टेट कैलिफ़ोर्निया वहां के मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट का मुख्य केंद्र है। गार्डियन के अनुसार, यह देश का सबसे बड़ा कृषि उत्पादक भी है। रिपोर्ट के अनुसार, यह राज्य अमेरिका का टेक और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का कैपिटल भी है। कुल मिला कर कहें कि कैलिफ़ोर्निया अमेरिका के आर्थिक विकास में बड़ा योगदान देता है। न्यूज़ॉम के कार्यालय से गार्डियन को दिए गए एक बयान के अनुसार, यह संघीय सरकार को जितना पैसा भेजता है, उससे 83 बिलियन डॉलर अधिक प्राप्त करता है।

अमेरिका, चीन, जर्मनी से भी ज्यादा है विकास दर

कैलिफ़ोर्निया की जीपीडी यों ही नहीं बढ़ रही है। वहां की अर्थव्यवस्था दुनिया के कुछ सबसे बड़े खिलाड़ियों से आगे निकल गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में इसकी विकास दर 6 प्रतिशत रही, जो अमेरिका की 5.3 प्रतिशत, चीन की 2.6 प्रतिशत और जर्मनी की 2.9 प्रतिशत से काफी आगे है। इस शानदार उछाल ने अब कैलिफ़ोर्निया को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। यह राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जिसने सिर्फ छह साल पहले यूनाइटेड किंगडम को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल किया था।

रिजल्ट से पहले अडानी का यह शेयर लाल, लेकिन 806 तक पहुंच सकता है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी पावर का शेयर बुधवार को चौथी तिमाही के रिजल्ट से पहले करीब 2 प्रतिशत गिर गया। अडानी ग्रुप के इस शेयर ने बड़ी गिरावट के साथ 541.50 रुपये प्रति शेयर का इंट्राडे लो बनाया। कंपनी 30 अप्रैल 2025 (बुधवार) को त्त4 और वित्तीय वर्ष 2024-25 के नतीजे घोषित करेगी। बोर्ड की बैठक के बाद 1 मई 2025 को निवेशकों के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल भी होगी।

एनालिस्ट्स मान रहे हैं कि बिजली की बढ़ती मांग और बेहतर मार्जिन के चलते अडानी पावर के त्त4 नतीजे मजबूत रहेंगे। जनवरी-मार्च 2025 में भारत की बिजली मांग 416 क्क रही, जो पिछले साल के 400 क्क से अधिक है। अडानी पावर के पास गुजरात सहित कई राज्यों में 17,550 का थर्मल पावर प्लांट और 40 का सोलर प्रोजेक्ट है।

तीसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 7.4 प्रतिशत बढ़कर 2,940.07 करोड़ रुपये रहा, जबकि राजस्व 11 प्रतिशत

बढ़कर 14,833 करोड़ रुपये हुआ। बिजली बिक्री 23.3 क्करही, जो पिछले साल के 21.5 क्क्से अधिक है।

क्यों खरीदें यह शेयर- वेंचुरा सिक्योरिटीज ने अडानी पावर शेयर पर खरीदें की सलाह दी है, जिसका टारगेट प्राइस 806 रुपये रखा गया है। पिछले 2 साल में यह शेयर 145 प्रतिशत और 5 साल में 1,619 प्रतिशत चढ़ा है। तकनीकी विश्लेषण के मुताबिक, शेयर 102 दिनों के राउंडिंग बॉटम पैटर्न में है। अगर यह 598 रुपये के स्तर से ऊपर टिकता है, तो 752.9 रुपये तक का उछाल संभव है।

निवेशकों के लिए सलाह- एनालिस्ट्स का मानना है कि अच्छे नतीजे शेयर में तेजी ला सकते हैं, लेकिन बाजार के जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सतर्क निवेश की सलाह दी जाती है।

115 करोड़ रुपये का हुआ मुनाफा, 10 प्रतिशत उछलकर 118 रुपये के पार पहुंचे रिटेल कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। विशाल मेगा मार्ट के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। सुपरमार्केट चेन विशाल मेगा मार्ट के शेयर बुधवार को बीएसइ में करीब 10 प्रतिशत के उछाल के साथ 118.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल शानदार तिमाही नतीजों के बाद आया है। जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में विशाल मेगा मार्ट का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 88 पर्सेंट बढ़कर 115.1 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 126.85 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 96.05 रुपये है।

2547 करोड़ रुपये रहा है कंपनी का रेवेन्यू- विशाल मेगा मार्ट का रेवेन्यू मार्च 2025 तिमाही में सालाना आधार पर 23.2 पर्सेंट बढ़कर 2547.9 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 2068.9 करोड़ रुपये था। जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में रिटेल कंपनी के ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस में भी सुधार देखने को मिला है। कंपनी का इबिट्डा सालाना आधार पर 42.6 पर्सेंट उछलकर 357 करोड़ रुपये पहुंच

गया है। एक साल पहले की समान अवधि में यह 250.5 करोड़ रुपये था। मार्च 2025 तिमाही में कंपनी का इबिट्डा मार्जिन बढ़कर 14 पर्सेंट जा पहुंचा है।

पूरे साल में कंपनी को 632 करोड़ रुपये का मुनाफा- पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 36.8 पर्सेंट बढ़कर 631.97 करोड़ रुपये पहुंच गया है। वहीं, कंपनी का रेवेन्यू 20.2 पर्सेंट बढ़कर 10,716.35 करोड़ रुपये जा पहुंचा है। 31 दिसंबर 2024 तक के डेटा के मुताबिक, विशाल मेगा मार्ट अलग-अलग शहरों में 668 स्टोर्स ऑपरेट कर रहा है।

78 रुपये पर आया था कंपनी का आईपीओ- विशाल मेगा मार्ट के आईपीओ में शेयर का दाम 78 रुपये था। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए 11 दिसंबर 2024 को खुला था और यह 13 दिसंबर 2024 तक ओपन रहा। कंपनी के शेयर 18 दिसंबर 2024 को 110 रुपये पर लिस्ट हुए थे।

सरकार की नई स्कीम: वाहन जितनी दूरी चलेगा, उसी का टोल भरना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्सप्रेसवे और हाईवे पर टोल प्लाजा के जाम से जल्द छुटकारा मिल सकता है। सरकार एक नई टोल नीति ला रही है, जहां आपको सिर्फ उतना ही टोल देना होगा, जितनी दूरी आपने तय की है। लेकिन, यहां सावधानी बरतने वाली बात ये है कि अगर आपने टोल का पेमेंट समय पर नहीं किया, तो न सिर्फ भारी जुर्माना लगेगा, बल्कि आपका स्कोर भी गिरेगा। इससे आगे चलकर लोन या क्रेडिट कार्ड लेने में दिक्कत हो सकती है। सरकार, और बैंक इस

नई व्यवस्था पर फाइनल डिस्कशन में जुटे हैं। जल्द ही इसे लागू किया जा सकता है। तो अगर आप हाईवे पर अक्सर चलते हैं। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय दूरी के आधार पर टोल वसूली की व्यवस्था को लाने की दिशा में काम कर रहा है। ऐसी में जीपीएस मैपिंग के आधार पर टोल का निर्धारण किया जाएगा। नई व्यवस्था में वाहन जितनी दूरी तक नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर चलेगा, उसी का टोल भरना होगा। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए फायदेमंद होगी, जो कम दूरी (40-50 किलोमीटर) की यात्रा करते हैं लेकिन बीच में टोल पड़ने के कारण उन्हें अभी तक 150-200 रुपये का टोल भरना पड़ता है। टोल की वसूली को लेकर लाई जा रही नई व्यवस्था पर गहनता से चर्चा चल रही है। फास्टैग के ब्लैकलिस्ट होने संबंधी रिकॉर्ड को व्यक्ति के सिबिल स्कोर से जोड़ने के लिए एनपीसीआई और आरबीआई के साथ चर्चा चल रही है। सूत्रों का कहना है कि सिबिल स्कोर से जोड़ने को लेकर लगभग सहमति है। क्योंकि फास्टैग का सारा रिकॉर्ड भारतीय भुगतान निगम लिमिटेड और बैंकों के पास उपलब्ध है। लिखित सहमति बनने के बाद उसे आसानी से व्यक्ति के सिबिल स्कोर के साथ अपडेट किया जा सकेगा।

1 मई से बदलेंगे नियम: एटीएम से पैसे निकालना होगा महंगा, एलपीजी के रेट होंगे अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। 1 मई को एलपीजी सिलेंडर के रेट से लेकर एफडी और बचत खातों के ब्याज में बदलाव देखने को मिल सकता है। रेलवे टिकट की बुकिंग से जुड़े हुए नियम बदलेंगे तो एटीएम से पैसे निकालना महंगा पड़ेगा। आइए देखें कि 1 मई से क्या-क्या बदलाव होने वाले हैंज

रेलवे टिकट बुकिंग से जुड़े हुए नियम बदलेंगे- रेलवे भी एक मई से टिकट बुकिंग के नियम बदलेगा। अब स्लीपर और एसी कोच में प्रतीक्षा टिकट मान्य नहीं होगा। सिर्फ जनरल कोच में ही प्रतीक्षा टिकट से यात्रा हो सकेगी। टिकट बुकिंग का समय 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दिया गया है। इसके अलावा, किराया और रिफंड शुल्क भी बढ़ सकते हैं।

एलपीजी के रेट होंगे अपडेट- हमेशा की तरह महीने की पहली तारीख को एलपीजी के रेट अपडेट होंगे। अप्रैल में सरकार ने 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 50 बढ़ा दी थी। यह बढ़ोतरी लगभग एक साल बाद हुई। अब दिल्ली में सिलेंडर 853 और कोलकाता में 879 तक पहुंच गया है। ऐसे में अब कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

एफडी और बचत खातों के ब्याज में बदलाव- बदलावों में ब्याज दरें भी शामिल हो सकती हैं। गौरतलब है कि आरबीआई ने पिछले महीने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो दरों को घटाने का ऐलान किया था। इसके बाद बैंक लगातार अपनी ब्याज दरों में इस कटौती को समायोजित कर रहे हैं। कर्ज, जमा और बचत बैंक इस तीनों खातों पर ब्याज दरें घटाई जा रही हैं। कुछ बैंक अभी और कटौती कर सकते हैं।

निर्धारित सीमा के बाद लेन-देन पर शुल्क बढ़ेगा- भारतीय रिजर्व बैंक ने एटीएम से पैसे निकालने के शुल्क को बढ़ाने का ऐलान किया है। अगर आप एटीएम के जरिए नकदी निकाल रहे हैं, जमा कर रहे हैं या अपना बैलेंस चेक कर रहे हैं, तो निर्धारित सीमा के बाद लगने वाले शुल्क में वृद्धि की गई है। एक मई से एटीएम से निशुल्क रकम निकासी की सीमा पार करने के बाद हर निकासी पर 23 रुपये देने होंगे।

यह अभी शुल्क 21 रुपये है। हर महीने बैंक के एटीएम से पांच और दूसरे बैंक के एटीएम से मेट्रो शहरों में तीन या गैर-मेट्रो शहरों में पांच मुफ्त निकासी मिलती हैं। यह शुल्क बढ़ोतरी एटीएम चलाने की लागत बढ़ने के कारण की गई है।

प्रवाह पोर्टल से बैंकों का काम होगा सरल- भारतीय रिजर्व बैंक ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 1 मई से सभी बैंकों, वित्तीय कंपनियों और अन्य विनियमित संस्थाओं को प्राधिकरण, लाइसेंस और अनुमोदन के लिए कोई भी आवेदन जमा करने के लिए प्रवाह पोर्टल का उपयोग करना होगा।

पोर्टल में उपलब्ध आवेदन पत्रों का उपयोग करके नियामक प्राधिकरण, लाइसेंस, अनुमोदन के लिए आवेदन प्रस्तुत करने के लिए प्रवाह का उपयोग करना होगा।

सनराइजर्स के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेगी गुजरात टाइटंस

आईपीएल

- **गुजरात टाइटंस इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से है जिसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में काफी गहराई है।**

अहमदाबाद, एजेंसी। पिछले मैच में 'वंडर ब्वॉय' वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी से मिली हार से उबरकर गुजरात टाइटंस अब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शुक्रवार को आईपीएल के मैच में जीत की राह पर लौटने उतरेगी जबकि सनराइजर्स को प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिये हर हालत में जीतना होगा।

राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्ष के सूर्यवंशी ने सिर्फ 35 गेंद में शतक जड़कर गुजरात की गेंदबाजी की बखिया उधेड़ डाली थी। वह आईपीएल में शतक जमाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज भी बने। गुजरात को चार विकेट पर 209 रन बनाने के बावजूद आठ विकेट से पराजय का सामना करना पड़ा हालांकि इससे आईपीएल तालिका में उसकी स्थिति पर असर नहीं पड़ा।

गुजरात टाइटंस इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से है जिसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में काफी गहराई है। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम नौ मैचों में छह जीत के साथ चौथे स्थान पर है। उसे बाकी पांच मैचों में से सिर्फ दो जीतने होंगे ताकि प्लेआफ में पहुंचने के लिये 16 अंक पूरे कर सके।

गुजरात के साइ सुदर्शन पांच अर्धशतक समेत 456 रन बनाकर आरेंज कैप ले चुके हैं। वहीं कप्तान गिल ने 389 और जोस बटलर ने 406 रन बनाये हैं जो इस सत्र में शीर्ष सात बल्लेबाजों में हैं।

गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और ईशांत शर्मा की तेज तिकड़ी प्रभावी रही है। स्पिनरों में राशिद खान ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ फॉर्म में लौटकर 25 रन देकर दो विकेट लिये जबकि वॉशिंगटन सुंदर से उन्हें अच्छा सहयोग मिला।

गुजरात ने हैदराबाद में खेले गए मैच में सनराइजर्स को सात विकेट से हराया था जिसमें सिराज ने 17 रन देकर चार विकेट लिये थे।

दूसरी ओर सनराइजर्स के लिये यह 'करो या मरो' का मुकाबला है। पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स नौ में से सिर्फ तीन मैच जीतकर तालिका में नौवे स्थान पर है। एक और हार से प्लेआफ के उसके रास्ते बंद हो जायेंगे।

सनराइजर्स के लिये अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। शीर्षक्रम की नाकामी से मध्यक्रम पर दबाव बना जिसमें हेनरिक क्लासेन, नीतिश कुमार रेड्डी और ईशान किशन फॉर्म में नहीं हैं।

पिछले दो मैचों में अभिषेक दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके जबकि हेड ने आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक लगाया है। मध्यप्रदेश के 23 वर्ष के अनिकेत वर्मा ने नामी गिरामी बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी में हर्षल पटेल ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन पैट कमिंस और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी गेंदबाजों को बेहतर खेल दिखाना होगा।

टीमें

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), बी साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएट्ज़ी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़ और करीम जनत।

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

एशियन चैंपियंस लीग से बाहर हुई क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अल-नासर

जापान की कावासाकी ने किया बड़ा उलटफेर

जेद्दाह, एजेंसी। एशियन चैंपियंस लीग एलाइट के सेमीफाइनल में बुधवार देर रात एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला जब जापानी क्लब कावासाकी फ्रंटेल ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल-नासर को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली। सऊदी प्रो लीग की इस महंगी टीम को उस वक्त झटका लगा जब यूटो ओजेकी और अकीहिरो इएनागा ने गोल दागे। हालांकि सादियो माने और ऐमान याह्या ने अल-नासर के लिए वापसी की कोशिश की, लेकिन अंत में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

शानदार शुरुआत के साथ कावासाकी ने पकड़ी पकड़

कतर की अल-सद को क्वार्टरफाइनल में हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी कावासाकी फ्रंटेल ने सेमीफाइनल में भी तेज शुरुआत की। मैच के 10वें मिनट में तत्सुया इटो ने शानदार वॉली के जरिए गोल दागा और कावासाकी को 1-0 की बढ़त दिलाई।

माने ने दिलाई उम्मीद, लेकिन पहले हाफ में ही फिर पिछड़ी अल-नासर

28वें मिनट में सादियो माने ने रोनाल्डो की टीम को बराबरी दिलाई। उनका शॉट जापानी डिफेंडर मारुयामा के कंधे से हल्का डिफ्लेक्ट होकर गोल में गया। इसके बाद रोनाल्डो ने हेडर और ओवरहेड किक से गोल की कोशिशें कीं लेकिन सफलता नहीं मिली। पहले हाफ के खत्म होने से चार मिनट पहले इटो की तेज दौड़ और शॉट पर बेंटो ने बचाव किया लेकिन ओजेकी ने रिबाउंड पर गोल दाग दिया।

दूसरे हाफ में इएनागा का गोल बना निर्णायक

दूसरे हाफ में अल-नासर ने वापसी की कोशिशें तेज कीं, लेकिन 76वें मिनट में कावासाकी के सब्स्टीट्यूट एरिसन ने शानदार मूव बनाते हुए इएनागा को पास दिया, जिन्होंने तीसरा गोल दागा। 87वें मिनट में ऐमान याह्या ने दूर से गोल कर स्कोर 3-2 किया और रोमांच भर दिया।

रोनाल्डो की कोशिशें नाकाम, कावासाकी ने रचा इतिहास

आखिरी पलों में रोनाल्डो ने दो बार गोल करने की कोशिश की लेकिन जापानी गोलकीपर यामागुची ने शानदार बचाव किया। इसके साथ ही कावासाकी फ्रंटेल ने इतिहास रचते हुए पहली बार एशियन चैंपियंस लीग के फाइनल में जगह बनाई।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल: इंटर मिलान से दो बार पिछड़ने के बाद बार्सिलोना ने 3-3 से की बराबरी

बार्सिलोना, एजेंसी। चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल के पहले चरण में बुधवार को बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच खेले गए मुकाबले में फैंस को जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। इंटर मिलान जहां दो बार बढ़त लेने में कामयाब रही, वहीं बार्सिलोना ने दोनों बार शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 3-3 की बराबरी पर खत्म किया। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में युवा लमिन यामाल ने एक ऐतिहासिक गोल दागा और दो बार गेंद को बार पर भी मारा।

मैच की शुरुआत ही धमाकेदार रही। इंटर मिलान के मार्कस थुराम ने मुकाबले की शुरुआत के महज 30वें सेकंड में शानदार बैकहील गोल दागते हुए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल इतिहास का सबसे तेज गोल कर डाला। इसके बाद डेंजल डम्फ्रीज ने कॉर्नर से मिले मौके को हवा में छलांग लगाकर गोल में तब्दील किया और इंटर को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। हालांकि बार्सिलोना ने हार नहीं मानी। टीम के 16 वर्षीय स्टार यामाल ने अपने 100वें क्लब मैच में शानदार एकल प्रयास से गोल दागा और टीम को वापसी की राह दिखाई। यह गोल उन्हें चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में स्कोर करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बना गया। यामाल ने थुराम को पीछे छोड़ा, मखितारियन को छकाया और फिर बाएं पोस्ट से गेंद को गोल में डाला।

पहले हाफ के 38वें मिनट में पेड्री के पास पर रफिन्हा ने हेड से बॉल फॉरवर्ड की और फेरान टोरेस ने पास पर रिएक्ट करते हुए क्लोज रेंज से गोल किया। स्कोर 2-2 हो गया। हालांकि, दूसरे हाफ में डम्फ्रीज ने एक बार फिर हेडर से गेंद डाली, जो ओल्मो से लगकर गोल में चली गई और इंटर को तीसरी बार बढ़त मिली। इंटर की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिक पाई। यामाल के कॉर्नर को रफिन्हा ने बॉक्स के किनारे से ताकतवर शॉट मारा, जो क्रॉसबार से लगकर गोलकीपर सोमर के सिर पर टकराया और गोल में चला गया। यह आत्मघाती गोल स्कोर 3-3 कर गया।

अब फैसला अगले मंगलवार को मिलान में

मुकाबले के अंतिम मिनटों में यामाल ने फिर एक बेहतरीन शॉट मारा जो क्रॉसबार से टकरा गया। अंततः मुकाबला ड्रॉ रहा। अब इस रोमांचक टाई का दूसरा चरण अगले मंगलवार को मिलान में खेला जाएगा, जहां विजेता 31 मई को म्यूनिख में होने वाले फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन या आर्सेनल से भिड़ेगा।

लॉर्ड्स करेगा महिला टी-20 विश्वकप 2026 के फाइनल की मेजबानी

दुबई, एजेंसी। लंदन का लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप 2026 के फाइनल की मेजबानी करेगा। आईसीसी ने गुरुवार को 24 दिनों तक 12 टीमों के बीच होने वाले 33 मैचों के इस टूर्नामेंट के लिए लॉर्ड्स सहित सात स्थलों ओल्ड ट्रैफर्ड, हेडिंग्ले, एजबेस्टन, हैम्पशायर बाउल, द ओवल और ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड के नामों की पुष्टि की। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला पांच जुलाई 2026 को खेला जायेगा।

इस अवसर पर आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने कहा, "यूनाइटेड किंगडम की समृद्ध विविधता ने हमेशा सभी टीमों के लिए भावुक समर्थन दिखाया है, जिसे हमने पिछले आयोजनों में यादगार रूप से देखा है। 2017 में लॉर्ड्स में महिला क्रिकेट विश्वकप का फाइनल महिलाओं के खेल के उत्थान में एक मील का पत्थर बना हुआ है और मैं फाइनल के लिए इससे अधिक उपयुक्त मंच के बारे में नहीं सोच सकता। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा, "यह घोषणा करना निश्चित रूप से बेहद खास है कि फाइनल लॉर्ड्स में खेला जायेगा। यह विश्व क्रिकेट के बेहतरीन स्थलों में से एक है और हर क्रिकेटर लॉर्ड्स में विश्वकप फाइनल जैसे अवसरों का हिस्सा बनने का सपना देखता है।

एशियाई अंडर-15, अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप

भारत 15 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा

अम्मान, एजेंसी। भारत ने नवगठित एशियाई मुक्केबाजी निकाय के तहत एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना अभियान कुल 15 स्वर्ण, 6 रजत और 22 कांस्य पदकों के साथ समाप्त किया, और समग्र पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा। भारत ने उज्बेकिस्तान के स्वर्ण पदकों की बराबरी की लेकिन कजाकिस्तान से सिर्फ एक पदक पीछे रहा, जो तालिका में शीर्ष पर था।

अंतिम दिन अंडर-17 दल ने चार और स्वर्ण पदक जीते, जो सभी लड़कियों के वर्ग से थे, जिसने अम्मान में भारतीय टीम के लिए एक मजबूत अंत का समापन किया। खुशी चंद (46 किग्रा) ने मंगोलिया की अल्तानजुल अल्तांगदास को कड़ी टक्कर देते हुए 3:2 से हराया, जबकि अहाना शर्मा (50 किग्रा) और जन्नत (54 किग्रा) ने उज्बेकिस्तान की प्रतिद्वंद्वियों पर 5:0 से जीत दर्ज की। अंतिम स्वर्ण पदक अंशिका (80+ किग्रा) ने जीता, जिन्होंने जॉर्डन की जना अलालावनेह के खिलाफ पहले दौर में आरएससी के साथ अपना मुकाबला समाप्त किया और चैंपियनशिप में भारत का 15वां खिताब पक्का किया।

अम्मान से बोलते हुए, बीएफआई की अंतरिम समिति के अध्यक्ष अजय सिंह ने युवा मुक्केबाजों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई दी और कहा, "महाद्वीपीय मंच पर हमारे युवा मुक्केबाजों द्वारा किया गया एक गौरवपूर्ण और संतोषजनक प्रदर्शन! 15 स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष तीन देशों में शामिल होना हम सभी के लिए एक पुरस्कृत क्षण है। ये युवा मुक्केबाज भारतीय मुक्केबाजी का भविष्य हैं। मैं हमारी अंडर-15 और अंडर-17 टीमों के प्रत्येक सदस्य को उनके साहस, भावना और कौशल के लिए बधाई देता हूं। इस नींव के साथ, मुझे कोई संदेह नहीं है कि हम आने वाले वर्षों में उनमें से कई को ओलंपिक मंच पर देखेंगे।"

लड़कों के अंडर-17 वर्ग में, देवांश (80 किग्रा) ने कजाकिस्तान के मुखमेडली रुस्तमबेक से 0:5 से हारकर रजत पदक जीता। भारतीय अंडर-17 पुरुष टीम ने एक रजत और छह कांस्य पदक के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। लड़कियों की ओर से सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) और हरसिका (63 किग्रा) ने दो और रजत पदक जीते, जबकि भारतीय अंडर-17 महिलाओं ने चार स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता में अंडर-15 दल ने सबसे अधिक 11 स्वर्ण पदक जीते, जिसका नेतृत्व लड़कियों की टीम ने किया, जिन्होंने उपलब्ध 15 स्वर्ण पदकों में से 10 पदक जीते, तथा चैंपियनशिप के अंतिम दिन उन्होंने प्रत्येक फाइनल में जीत हासिल की।

आईपीएल

गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन हैं ऑरेंज कैप की रेस में पहले पायदान पर

'ऑरेंज कैप' की रेस में साई सुदर्शन और कोहली, तेजी से आगे बढ़ रहे सूर्यकुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान और रन मशीन के नाम से मशहूर विराट कोहली ऑरेंज कैप की रेस में बने हुए हैं। दोनों बल्लेबाजों के सिर पर इस सीजन ऑरेंज कैप सजी है। पहले पायदान पर जहां साई सुदर्शन हैं तो वहीं, दूसरे स्थान पर विराट कोहली। लेकिन, अब उनसे ऑरेंज कैप छीना जा सकता है। मुंबई इंडियंस के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के सिर पर ये सज सकती है। गुरुवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के सामने उतरेंगे।

मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल 2025 का 50वां मैच खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार, सवाई मानसिंह स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से मैच का प्रसारण शुरू होगा। इस सीजन में मुंबई इंडियंस के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने मुंबई के लिए कई शानदार पारियां खेली हैं और वह ऑरेंज कैप की रेस में टॉप-3 में बने हुए हैं। अगर राजस्थान के खिलाफ उनका बल्ला चलता है तो वह टेबल टॉपर बन सकते हैं।

ऑरेंज कैप की रेस में पहले पायदान पर गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन हैं। उन्होंने इस सीजन में 9 मैच की 9 पारियों में 456 रन बनाए हैं। साई के बल्ले से 5 हाफ सेंचुरी आई है। उनके बल्ले से 46 चौके और 16 छक्के आए। दूसरे नंबर पर रन मशीन विराट कोहली हैं, जिन्होंने 10 मैच की 10 पारियों में 443 रन बनाए हैं। विराट के बल्ले से 6 हाफ सेंचुरी आई है। विराट के बल्ले से 39 चौके और 13 छक्के आए। 10 मैच की 10 पारियों में सूर्यकुमार यादव ने 427 रन बनाए। सूर्यकुमार के बल्ले से 3 हाफ सेंचुरी आई। उनके बल्ले से 42 चौके और 23 छक्के निकले।

राजस्थान के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सूर्यकुमार यादव अगर 30 रनों की पारी खेलते हैं तो वह साई सुदर्शन के 456 रनों से आगे निकल जाएंगे। दूसरी ओर जयपुर के मैदान में प्लेऑफ में बने रहने के लिए राजस्थान रॉयल्स को हर हाल में यह मैच जीतना होगा। वहीं, अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचने के लिए मुंबई इंडियंस भी अपनी जीत की लय बरकरार रखना चाहेगी।

मुझे किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना पसंद है : अय्यर

चेन्नई, एजेंसी। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर चार विकेट की जीत दर्ज करने के बाद कहा कि उन्हें किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना पसंद है। युजवेंद्र चहल की हैट्रिक के बाद कप्तान अय्यर (72 रन) और प्रभसिमरन सिंह (54 रन) के अर्धशतकों की मदद से पंजाब किंग्स पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को छह विकेट से हराकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। सीएसके की टीम लगातार पांचवीं हार के बाद इस सत्र में टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई। 10 मैच में दो जीत से चार अंक लेकर सीएसके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ से बाहर हो गई। 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए अय्यर और प्रभसिमरन ने दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 72 रन की साझेदारी बनाकर पंजाब किंग्स को सीएसके के 191 रन के लक्ष्य को हासिल करने की ओर अग्रसर किया। अय्यर ने 41 गेंद की पारी के दौरान पांच चौके और चार छक्के जड़े जबकि प्रभसिमरन ने 36 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के जमाए। इन दोनों के अलावा प्रियांश आर्या और शशांक सिंह ने 23-23 रन का योगदान दिया। अय्यर ने मैच के बाद कहा, ''मुझे किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना पसंद है। हमें जिम्मेदारी लेने की जरूरत थी। यह भी देखना था कि अगला बल्लेबाज कौन है।'' उन्होंने कहा, ''मैदान से बाहर प्रदर्शन की बात करूं तो मैं लुत्फ उठा रहा हूं, मैं सिर्फ गेंद के हिसाब से खेल रहा हूं। मुझे खुद पर भरोसा है और लगता है कि किसी भी लक्ष्य का पीछा करत सकता हूं।''

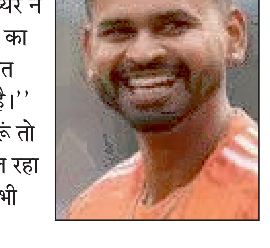

विजेंदर की पोस्ट से वैभव की उम्र पर उठे सवाल

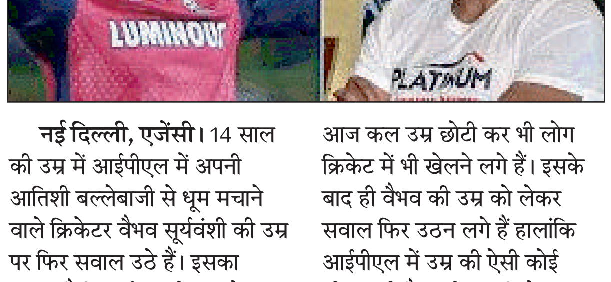

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल की उम्र में आईपीएल में अपनी आतिशी बल्लेबाजी से धूम मचाने वाले क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की उम्र पर फिर सवाल उठे हैं। इसका कारण है कि पूर्व भारतीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने अपनी कए सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि अब उम्र की धोखाधड़ी क्रिकेट में भी हावी हो गयी है। आयु धोखाधड़ी का मतलब गलत तरीके से उम्र कम करके खेलना है। ये आम तौर पर तब होता है जब जूनियर स्तर पर या उस स्तर पर जगह बनाने किया जाता है जहां एक तय उम्र की बात होती है हालांकि बीसीसीआई ने इस मामले को हल करने के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रियाओं सहित कई कदम भी उठाए हैं। ओलंपिक पदक विजेता विजेंदर ने सोशल मीडिया में लिखा, आज कल उम्र छोटी कर भी लोग क्रिकेट में भी खेलने लगे हैं। इसके बाद ही वैभव की उम्र को लेकर सवाल फिर उठन लगे हैं हालांकि आईपीएल में उम्र की ऐसी कोई सीमा नहीं है। वहीं एक क्रिकेट प्रशंसक ने अपने जवाब में लिख, भले ही वैभव ने अपनी उम्र कम छह माह ये एक साल कम बतायी हो पर 15 से 16 साल की उम्र में ऐसे बल्लेबाजी करना आसान नहीं है। दूसरी ओर एक अन्य व्यक्ति ने वैभव का एक पुराना वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा, वैभव निश्चित रूप से अपने अपनी बतायी गयी उम्र से बड़े हो सकते हैं क्योंकि इस क्रिकेट ने कुछ साल पहले ही कहा था कि वह अपनी उम्र से कम दिखता है। ऐसे में इस मामले को बीसीसीआई को देखना चाहिए।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म करना चाहते हैं बाबिल, अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर किया खुलासा

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रहे इरफान खान के बेटे बाबिल खान भी धीरे-धीरे अपने प्रोजेक्ट्स के जरिए बॉलीवुड में अपना एक अलग मुकाम बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में बाबिल ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'लॉगआउट' में नजर आए थे। इसमें उन्होंने एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की भूमिका निभाई थी। अब बाबिल ने अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि वो किस तरह की फिल्म करना चाहते हैं।

अब रॉम-कॉम में नजर आएंगे बाबिल

हाल ही में 'फिल्मीबीट' के साथ बातचीत में बाबिल ने अपने आगामी प्रोजेक्ट और निजी जिंदगी में रोमांस को लेकर बात की। बाबिल ने बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट एक रोमांटिक शो है। उन्होंने कहा, रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में मेरी गहरी दिलचस्पी है। मैं वास्तव में रोमांटिक-कॉमेडी करना चाहता हूं। मैं अब एक रॉम-कॉम पर काम कर रहा हूं। हालांकि, बाबिल ने अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में कोई ज्यादा जानकारी नहीं दी। लेकिन इतना तय है कि उनका अगला प्रोजेक्ट एक रॉम-कॉम है।

फोन में नहीं हैं बाबिल के कोई सीक्रेट

इस बातचीत के दौरान बाबिल ने अपने रियल लाइफ प्यार और अपने जीवन के सीक्रेट्स को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि मेरे सीक्रेट्स मेरे फोन पर नहीं हैं। मेरे सारे सीक्रेट मेरे दिल में हैं। अगर मेरा दिल चुरा लिया जाता है, जो आमतौर पर होता है। तो सारे सीक्रेट जाने जा सकते हैं।

अलग-अलग किरदार निभा रहे बाबिल

बाबिल ने अभी इंडस्ट्री में ज्यादा काम नहीं किया है। लेकिन अपने छोटे से करियर में ही वो अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभा रहे हैं। बाबिल चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते हैं। जो उनकी फिल्मोग्राफी में देखने को भी मिलता है। जिसमें 'कला' से लेकर 'द रेलवे मैन' और 'लॉगआउट' जैसे अलग-अलग किरदार शामिल हैं।

किन-किन किरदारों में टीवी और फिल्मों में अब तक नजर आईं मौनी रॉय, अब भूतनी बन डराएंगी अभिनेत्री

इन दिनों मौनी रॉय अपनी आगामी भूतिया फिल्म द भूतनी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। मौनी ने अपनी शानदार एक्टिंग और स्टाइल से दर्शकों का दिल जीता है। अब मौनी फिल्म द भूतनी में भूतनी बनकर डराने वाली ह। इस फिल्म से पहले किन-किन किरदारों से मौनी ने जीता फैंस का दिल....

मौनी के किरदार

मौनी रॉय ने टीवी और फिल्मों में हर तरह के किरदार निभाए, चाहे वह पौराणिक सती हो, थ्रिलर नागिन, रोमांटिक हीरोइन, या फिर निगेटिव रोल। आज मौनी न सिर्फ अपनी एक्टिंग, बल्कि अपने स्टाइल और डांस के लिए भी जानी जाती हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'द भूतनी' का भी फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

देवों के देव महादेव से घर-घर में पहचानी गईं मौनी

मौनी ने 2007 में एकता कपूर के मशहूर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से अपने करियर की शुरुआत की। इसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया, जो दर्शकों को खूब पसंद आया। मौनी को असली पहचान 2011 में 'देवों के देव महादेव' से मिली, जिसमें उन्होंने सती का पौराणिक किरदार निभाया। यह किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि मौनी घर-घर में मशहूर हो गईं।

नागिन सीरियल से मिली पहचान

2015-2016 में 'नागिन' सीरियल में मौनी ने शिवन्या और शिवांगी की दोहरी भूमिका निभाई। इस थ्रिलर ड्रामे में उनकी नागिन की भूमिका को दर्शकों ने बहुत प्यार दिया, और यह शो टीआरपी में टॉप पर रहा।

फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में जुनून के किरदार से मिली प्रसिद्धि

2022 में 'ब्रह्मास्त्र' में मौनी ने पहली बार निगेटिव किरदार जुनून का रोल निभाया। इस किरदार को दर्शकों ने बहुत पसंद किया और उनकी वर्सेटिलिटी की तारीफ हुई। मौनी ने 'तुम बिन 2' और KGF: चैप्टर 1' में आइटम नंबर भी किए, जो काफी चर्चित रहे।

द भूतनी

द भूतनी एक आगामी हॉरर फिल्म है। जिसे सिद्धांत सचदेव ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट और संजय दत्त ने किया है। फिल्म में मौनी रॉय के अलावा संजय दत्त, सनी सिंह और पलक तिवारी नजर आएंगी। यह फिल्म पहले 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह फिल्म को 1 मई, 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म का नाम द वर्जिन ट्री रखा गया था, लेकिन अब फिल्म का नाम द भूतनी है।

आध्यात्मिक गुरु की भूमिका में नजर आएंगे विक्रांत मैसी

एक्टर विक्रांत मैसी जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। अपनी नई फिल्म में वो आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म व्हाइट एक ग्लोबल थ्रिलर होगी, जो कोलंबिया 52 साल लंबे चले खूनी गृहयुद्ध को दिखाई। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे श्री रविशंकर ने उसे सुलझाया था। फिलहाल कोलंबिया में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जोरों से चल रहा है। इसी साल जुलाई से इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। व्हाइट को जानेमाने ऐड फिल्ममेकर मंटू बासी डायरेक्टर करेंगे। फिल्म को पठान, वार जैसी फिल्म बनाने वाले सिद्धार्थ आनंद, महावीर जैन और पीसक्राफ्ट पिक्चर्स के साथ मिलकर बनाएंगे। खबरों की मानें तो श्री रविशंकर के रोल के लिए विक्रांत ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। श्री रविशंकर की तरह दिखने के लिए एक्टर ने अपने वजन और बालों को बढ़ाया है। इसके अलावा वो आध्यात्मिक गुरु की बॉडी लैंग्वेज जानने के लिए उनसे से मिले थे और उनके वीडियो देखते हैं। बता दें कि 12वी फेल और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके एक्टर विक्रांत मैसी ने पिछले साल दिसंबर में एक्टिंग से ब्रेक लेने का ऐलान किया था। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी थी। एक्टर ने अपने पोस्ट में लिखा था अब घर वापस जाने का समय आ गया है।

विक्रांत ने अपनी पोस्ट में लिखा है, हैलो, पिछले कुछ साल और उसके बाद के साल शानदार रहे हैं। मैं आपके लगातार समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद करता हूं, लेकिन जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ता हूं, मुझे यह एहसास हुआ है कि अब खुद को फिर से संतुलित करने और घर वापस जाने का समय आ गया है। एक पति, पिता, बेटे और अभिनेता के रूप में भी, तो 2025 में हम आखिरी बार एक-दूसरे से मिलेंगे। हालांकि 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने एक्टिंग छोड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया था।

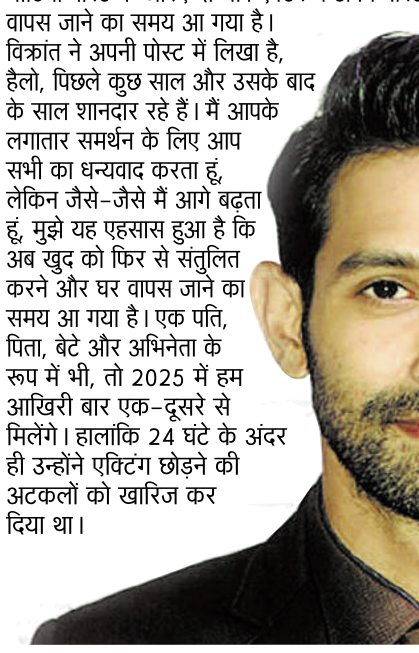

हिट 3 के अमेरिका प्रीमियर में शामिल होंगी श्रीनिधि शेट्टी

नानी की बहुप्रतीक्षित फिल्म हिट 3 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसका फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म भारत में एक मई को रिलीज होगी। वहीं, अमेरिका में इसे 30 अप्रैल को रिलीज किया जाएगा। फिल्म के निर्माता और कलाकार फिल्म के प्रमोशन में जोरों शोरों से लगे हुए हैं। 123 तेलुगु की रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी बहुत जल्द अमेरिका के लिए रवाना होंगी। रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री 30 अप्रैल को अमेरिका के टेक्सास में सिनेमार्क वेस्ट प्लानो सिनेमा के ऑडी 10 में दोपहर 1.30 बजे फिल्म का शो देखेंगी। अमेरिका में फिल्म की एडवांस्ड बुकिंग शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि हिट 3 ने उत्तरी अमेरिका में 175K डॉलर की टिकट बिक्री कर ली है। 'हिट 3' का निर्देशन सैलेश कोलानू द्वारा किया गया है, जिसमें साउथ सुपरस्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ श्रीनीधि शेट्टी भी हैं।

मोहित सूरी की 'सैयारा' में चंकी पांडे के भतीजे के साथ आएंगी नजर

मंगलवार को मोहित सूरी की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' के रिलीज डेट और इसके लीड एक्टर्स की आधिकारिक घोषणा हुई। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में चंकी पांडे के भाई चिक्की पांडे के बेटे अहान पांडे और अनीत पड्डा लीड भूमिका में नजर आएंगे। सभी की निगाहें अहान और अनीत पर टिकी हैं। जानते हैं आखिर कौन हैं अनीत पड्डा?

कहां से की अभिनय की शुरुआत?

अनीत पड्डा ने काजोल, विशाल जेठवा और प्रियामणि की 'सलाम वेंकी' से अपने अभिनय की शुरुआत की। साल 2022 में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अनीत ने नंदिनी की भूमिका निभाई थी। साल 2024 में, उन्होंने नित्या मेहरा की वेब सीरीज बिग 'गर्ल्स डोंट क्राई' में अभिनय किया, जहां उन्होंने रूही आहूजा की भूमिका निभाई।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी

22 साल की अनीत सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं रहती हैं। हालांकि, वह अपने काम से जुड़े अपडेट लगातार साझा करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 36.3K फॉलोअर्स हैं।

कब रिलीज होगी 'सैयारा'?

मोहित सूरी की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' को लेकर काफी लंबे समय से चर्चा चल रही थी। फिल्म के लीड एक्टर को लेकर तरह-तरह की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी बहुत कम अपडेट सामने आई थी। 22 अप्रैल को इसके निर्माताओं ने मुख्य इसके रिलीज की घोषणा की। रोमांटिक फिल्में पसंद करने वालों को इसके लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। फिल्म 18 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आशिकी 2, हमारी अधूरी कहानी और हाफ गर्लफ्रेंड जैसी रोमांटिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। आखिरी बार उन्होंने 'एक विलेन रिटर्न्स' का निर्देशन किया था।

एक कॉमेंट के कारण 1 सेकंड में सब खत्म हो जाता है

इमरान हाशमी ने बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों के प्रदर्शन, सोशल मीडिया के प्रभाव और व्यक्तिगत जीवन पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सिनेमा में दर्शकों की पसंद बदल रही है और फिल्म निर्माताओं को संस्कृति से जुड़ी कहानियों पर ध्यान देना चाहिए। सोशल मीडिया पर संवेदनशीलता को देखते हुए, वे सतर्क रहते हैं।

छावा को अपवाद मान लिया जाए तो दिग्गज स्टार्स भी बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा नहीं दिखा पाए। इसकी वजह क्या है? ऐसे में इस बार लोगों को आपसे बहुत उम्मीद है?

दर्शकों की उम्मीद जायज है मगर हर फिल्म की रिलीज से पहले नर्वसनेस तो होती ही है। ये आज से नहीं है, ये तो 2003 से हैं, जब मैंने अपनी पहली फिल्म फुटपाथ की थी। मगर अब सिनेमा बहुत टेस्टिंग हो गया है। ओटीटी आ गया है, लोगों के पास फोन है और एक अलग तरह का डिस्ट्रैक्शन है। फिर जिस तरह की फिल्में हमारे यहां बन रही हैं, वे विषय हमारी संस्कृति और जड़ों से जुड़ी हुई नहीं हैं, तो ये सच है कि हम इस चीज से जूझ रहे हैं। मैं दुआ करता हूं कि हम जल्द से जल्द इस चीज से उबरें। मगर इतना जरूर कहूंगा कि हम लगातार मेहनत करें और अच्छी फिल्में बनाने की कोशिश करें। वैसे तो हर फिल्मकार एक अच्छी नियत से फिल्म बनाता है। कोई भी अपनी फिल्म का कचरा तो नहीं करना चाहता। मगर ऑडियंस की नब्ज पकड़ना आसान नहीं होता। सिनेमा हॉल में जाने के बाद फिल्म दर्शक की हो जाती है।

आपने जब शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना ज्यादा एक्टिव नहीं था। मगर आज आपकी हर हरकत पर नजर रहती है, तो क्या आप अपने सोशल मीडिया को लेकर अलर्ट रहते हैं?

इसलिए तो मैं इतना ज्यादा ट्वीट नहीं करता। (मुस्कुराते हैं) मुझे तो लगता है कि आजकल बहुत ही संवेदनशील माहौल हो गया है। आज हर किसी के पास अपनी राय रखने का एक जरिया है। समझ में नहीं आता कि लोग ज्यादा सेंसेटिव हो गए हैं या फिर बहुत जल्दी नाराज होने लगे हैं। कोई भी किसी भी बात पर बुरा मान सकता है, तो बहुत ही न्यूट्रल ढंग से चीजों को कहना पड़ता है। पॉलिटिकल, रिलीजियस या फिर निजी भावनाएं हों, कोई भी आहत हो सकता है, तो फिर उस स्पेस में जाने से बचना पड़ता है। आप अगर इसमें से कुछ भी व्यक्त करते हैं, तो आप पर उसकी उल्टी प्रतिक्रिया हो सकती है। एक बैशिंग और एग्रेसिव कैंसल कल्चर भी शुरू हो गया है, जिसके चलते एक कमेंट के कारण आपने इतने सालों में जो कुछ बनाया है, उसे नेस्तनाबूत किया जा सकता है। सब खत्म किया जा सकता है। फिर उसके बाद आपके लिए वापसी का रास्ता नहीं बचता। यह कुछ सेकंड्स में सब जगह फैल जाता है और आप फिनिश हो जाते हो, तो आपको बहुत अलर्ट रहना पड़ता है।

क्या यही कारण है कि आप अपनी पत्नी (परवीन शहानी) और बेटे (अयान) को सोशल मीडिया से दूर रखते हैं?

वे तो खुद सोशल मीडिया पर आना नहीं चाहते और मेरी पहली फिल्म से मेरी पत्नी लाइमलाइट से दूर रही हैं। मेरी पत्नी चूंकि इस इंडस्ट्री से नहीं हैं तो वे नहीं चाहती कि लोग उन्हें सार्वजनिक रूप से पहचानें। इन सब चीजों से दूर रहकर वे अपनी आजादी का आनंद लेती हैं। कुछ महीनों पहले वे कुछ खरीददारी कर रही थीं तो लोगों ने उन्हें पहचान लिया और ये बात उनको बिलकुल भी अच्छी नहीं लगी। वे इन चीजों के लिए नहीं बनी हैं। वे आर्टिस्ट नहीं हैं। उनकी इस बात की मैं बहुत इज्जत करता हूं। जहां तक बेटे की बात है, वह कॉलेज में है और मीडिया या सोशल मीडिया पर उसका इतना ध्यान नहीं है। वह अपनी पढ़ाई पर फोकस कर रहे हैं और इससे डिस्कनेक्टेड हैं, जो अच्छा ही है। मुझे अपने घर में ऐसा माहौल नहीं चाहिए कि घर के नीचे पपाराजी खड़े हों। यह बहुत आर्टिफिशियल लगता है। हम लोग इसे अपनी लाइफस्टाइल में शामिल नहीं करते।

सभी जानते हैं कि आप एक फाइटर पिता रहे हैं। बेटे अयान को कैंसर होने पर आपने भी एक जंग लड़ी, अब पलटकर देखने पर सबसे ज्यादा स्ट्रेंथ क्या लगती है?

मैं इसके लिए ज्यादा क्रेडिट नहीं लेना चाहूंगा क्योंकि हर मां-बाप का यही फर्ज होता है। यह जंग तो लड़नी ही थी। हम सभी में वह हिम्मत होती है कि उस जंग से पार पाना है। मैं आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं तो मैं ही नहीं मेरी बीवी भी यही सोचती है कि हमने उन हालात में हिम्मत कैसे बटोरी। मगर मैं क्या हर पैरंट यही करेगा। आपके सामने जब ऐसे हालत होते हैं, तो उसका सामना करने के साथ-साथ उम्मीद रखना जरूरी होता है।

क्या आप आज भी सीरियल किसर की इमेज से जूझ रहे हैं क्योंकि आप बीते सालों में चीट इंडिया, चेहरे और बार्ड ऑफ ब्लड के बाद ग्राउंड ज़ीरो जैसा गंभीर और अर्थपूर्ण विषय कर रहे हैं?

कितना खुश था मैं कि आपने मुझे सीरियल किलर (टाइगर 3) बना दिया। आपने कुछ तो अलग बोला। मैंने कभी किसी एक इमेज को नहीं भुनाया। मैंने काफी अलग-अलग तरह की फिल्में कीं, मगर वह सीरियल किसर वाली एक इमेज थी, जिसे हम परोस रहे थे। वह इमेज ऑडियंस की नजर में बन गई थी। मगर मैंने हमेशा विविधरंगी भूमिकाएं करने की कोशिश की। मेरे जो फैंस हैं, उन्होंने मेरे अलग तरह के काम को मान्यता भी दी है। मुझे आज भी सीरियल किसर कहने वाले शायद वह लोग हैं, जिन्होंने मेरे एक्सपिरिमेंटल रोल्स नहीं देखे। मेरी वह छवि तो काफी पहले टूट गई थी। अदाकार के रूप में मैं बहुत अलग-अलग फिल्में करना चाहता हूं और ग्राउंड जीरो भी एक अलग किस्म की फिल्म है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।

किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401